Food and Agriculture Organization of the United Nations

आपुना बाटा दिशा-निर्देश

# हक त जिम्मा बिति अभिशासन हेनन

## खाद्य सुरक्षा त राष्ट्रीय संदर्भ ते जागा मीन अन बट धन त हक

CFS
COMMITTEE ON WORLD FOOD SECURITY

## आपुना बाटा दिशा-निर्देश

# हक त जिम्मा बिति अभिशासन हेनन

### खाद्य सुरक्षा त राष्ट्रीय संदर्भ ते जागा
### मीन अन बट धन त हक

Required citation:
FAO. 2024. *हक त जिम्मा बिति अभिशासन हेनन*. *Gondi*, Kankar

The designations employed and the presentation of material in this information product do not imply the expression of any opinion whatsoever on the part of the Food and Agriculture Organization of the United Nations (FAO) concerning the legal or development status of any country, territory, city or area or of its authorities, or concerning the delimitation of its frontiers or boundaries. The mention of specific companies or products of manufacturers, whether or not these have been patented, does not imply that these have been endorsed or recommended by FAO in preference to others of a similar nature that are not mentioned.

ISBN 978-92-5-137480-1
© FAO, 2024
First edition 2012 (English); revised 2022

Some rights reserved. This work is made available under the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 3.0 IGO licence (CC BY-NC-SA 3.0 IGO; https://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/3.0/igo/legalcode).

Under the terms of this licence, this work may be copied, redistributed and adapted for non-commercial purposes, provided that the work is appropriately cited. In any use of this work, there should be no suggestion that FAO endorses any specific organization, products or services. The use of the FAO logo is not permitted. If the work is adapted, then it must be licensed under the same or equivalent Creative Commons licence. If a translation of this work is created, it must include the following disclaimer along with the required citation: “This translation was not created by the Food and Agriculture Organization of the United Nations (FAO). FAO is not responsible for the content or accuracy of this translation. The original English edition shall be the authoritative edition.”

Disputes arising under the licence that cannot be settled amicably will be resolved by mediation and arbitration as described in Article 8 of the licence except as otherwise provided herein. The applicable mediation rules will be the mediation rules of the World Intellectual Property Organization http://www.wipo.int/amc/en/mediation/rules and any arbitration will be conducted in accordance with the Arbitration Rules of the United Nations Commission on International Trade Law (UNCITRAL).

Third-party materials. Users wishing to reuse material from this work that is attributed to a third party, such as tables, figures or images, are responsible for determining whether permission is needed for that reuse and for obtaining permission from the copyright holder. The risk of claims resulting from infringement of any third-party-owned component in the work rests solely with the user.

Sales, rights and licensing. FAO information products are available on the FAO website (www.fao.org/publications) and can be purchased through publications-sales@fao.org. Requests for commercial use should be submitted via: www.fao.org/contact-us/licence-request. Queries regarding rights and licensing should be submitted to: copyright@fao.org.

# विषय सूची


भूमिका v

**1 प्रस्तावना 1**

1. उद्देश्य 1
2. प्रकृति अन कार्य क्षेत्र (बूतो जागा) 2

**2 सामान्य सिद्धान्त 3**

3 (अ) सामान्य सिद्धांत 3

3 (ब) क्रियान्वयन के सिद्धांत कितल काम त (सिद्धांत) नियम त हजोर भूमिका, जागा, नेली, मीनक अनी केड़ा गुट्टा त अधिकार तुन बनेह कियाना साटी सहयोग कियना 4

4. शासन त अधिकार अनि जिम्मे 5
5. स्वामित्व से संबंधित वैधानिक नीतिगत तथा संस्थागत ढाँचा मालिकाना त लेहका वैधानिक रीति–नीति अनि संस्था त 6
6. सेवाओं का प्रतिपादन 7

**3 संसाधन त स्वामित्व न हक अन जिम्मे न वैधानिक मान्यता अन निर्धारण 9**

7. सुरक्षात्मक प्रावधान 9
8. चारवाही जागा, मीन अन बट धन 10
9. कोयतोर अन दूसोर कुंदा त रूढ़िजन्य हक न हूजाड 12
10. अनौपचारिक स्वामित्व 13

**4 स्वामित्व त हक अन दायित्व ते परिवर्तन अन हस्तांतरण 15**

11. हाटुम 15
12. निवेश 16
13. भूमि समेकन अन दूसोर सुधार त प्रक्रिया 19
14. स्वामित्व त हक न बहाली 20
15. पुनर्वितरणात्मक सुधाऱ 21
16. अधिग्रहण अन्न मुआवजा 23

5 स्वामित्व त हक त प्रशासन 25

17. स्वामित्व त हक त मूल्यांकन 25
18. मूल्यांकन 26
19. कर–निर्धारण 27
20. विनियमित स्थानिक योजना 27
21. स्वामित्व त हक ते वहचाड़ न समाधान 28
22. हंद न वहचाड़ अन मामला 29

6 जलवायु परिवर्तन तथा आपदा के प्रति अनुक्रिया 31

23. जलवायु परिवर्तन (पस्ट बदले मायना) 31
24. प्राकृतिक आपदा 32
25. भूमि मत्स्य तथा जनसंचना के स्वामित्व के अधिकारों के संबंध में विवाद 33

7 प्रोत्साहन, क्रियान्वयन, निगरानी तथा मूल्यांकन 35

# भूमिका

इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश त उद्देश्य राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा त बाटा गाटो त हक तून सुनिश्चित कियाला जागा, मीन, अन बट धन त हक त अभिशासन बाटा उंद संदर्भ कागेत लेहका उपयोग आंद।

इद आपुना बाटा दिशा– निर्देश ते गरीबी, अन कर्र वितहाना त राष्ट्रीय अन बूम कोशिश तून लाव हियाना आंद। इद दीर्घकालिक विकास त सिद्धांत ते आधारित मंता। इदेना हिसाब ते जागा, मीन अन बट धन त सम स्वामित्व त हक तून विकास त मुख आधार लेहका उपिहले आता।

गरीबी अन कर्र वितहाना अन पुरुड़ न दीर्घकालिक उपयोग इद पोल्लो ते निर्भर मंता कि मानेय अन कुंदा त बचो वेला हक जागा, मीन अन बट धन त संसाधन ते मंता, अन अव हक त बचो उपयोग कीनतोर। वेला मानेय ना जिनगी पानी अन नाटे नोर गरीब मानेय ना जिनगी पानी इव संसाधन त हक अन स्वामित्व ते निर्भर कियांता। इव संसाधन ओना आर्थिक विकास, सामाजिक, सांस्कृतिक अन धार्मिक बूतो त आधार अन गाटो अन लोन त मुख स्रोत आंद।

इद महत्वपूर्ण आंद कि जागा, मीन अन बट धन त स्वामित्व त जिम्मा बिति अभिशासन मुख हिसाब ते नैसर्गिक संसाधन ऐर्र अन खनिज त प्रबंधन अन ओरा हक तह संबंधित मंता। राष्ट्रीय संदर्भ ते इव प्राकृतिक संसाधन त अभिशासन ना तरीका अन प्रारूप ना उपहाना बाटा राज, इव आपुना बाटा दिशा– निर्देश त परिस्थिति हिसाब ते क्रियान्वयन किया पर्रता।

जागा, मीन अन बट धन त हक तून एविहला बेस अभिशासान त निर्धारण अन नियंत्रण, बूमकाल त हिसाब ते आई। अभिशासन ना दायरा ते इव संसाधन त उपयोग त बेरा, परिस्थिति अन संबंधित पक्ष त निर्धारण कियाना आई, अव पद्धति, नीति अन कानून त रूप ते अन अलिखित सामाजिक प्रथा त रूप ते बी आय पर्रता।

बूम (वैश्विक) अन स्थानीय जनसंख्या बेड़सतेक खाद्यान्न सुरक्षा, पर्यावरण ह्रास अन जलवायु बदले मायना त बाटा जागा, मीन अन बट धन त उपलब्धता ते गलत प्रभाव

पड़ता। इव संसाधन त अपर्याप्त अन असुरक्षित हक त कारण ते संसाधनहीनता, वंचना, कर्र अन गरीबी बेड़्सतेक संसाधन ते प्रतिस्पर्धात्मक हक ते पूना वाचन वहचा बेड़सानता।

जागा, मीन अन बट धन त हक, उपयोग अन दायित्व तून वेहला नेंड उंद जिम्मा एतवाल अभिशासन जरुरी मंता, बाकिया इद सुनिश्चित आई कि मानेय इव हक तून बदाम एवहानूर अन ओरा दायित्व बाता आयर। वेला समस्या कमजोर अभिशासन न बाटा उपजे मानता।अभिशासन त गुणवत्ता बेड़्सिहकून इव समस्या तून हल किया आयर। उंद कमजोर अभिशासन हेनन सामाजिक स्थायित्व, संतुलित पर्यावरण उपयोग अन आर्थिक विकास न बाटा निवेश प्रभावित आंता। जागा, मीन अन बट धन त स्वामित्व न हक सुनिश्चित कीसकून कर्र, गरीबी अन लोन लेहका मुख पोल्लो त समाधान कीसोर मानेय ना जीवन तून तीसहाना आयर। कमजोर अभिशासन ना हेनन वहचना बेड़्सांता। अद मानेय न जीवन बाटा बेहरा खतरा मंता। संसाधन त स्वामित्व न बाटा उत्तरदायी अभिशासन उंद दीर्घकालिक सामाजिक–आर्थिक विकास तून प्रोत्साहित कीनता, अदेना मदद् तह गरीबी उन्मूलन, खाद्यान्न सुरक्षा अन जिम्मे बिति रुपयांग निवेश त व्यापक उद्देश्य तून एविहला पर्राना आयर।

सपाय लोरा हित तून हूड़सोर खाद्य अन कृषि संगठन (FAO) अन बोयलेर सहयोगी लोर इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश अन जिम्मा बिति अभिशासन त कागेत तून विकसित कियाला दायित्व एतिता। इद कागेत त आधार, राष्ट्रीय संदर्भ ते खाद्यान्न सुरक्षा, पोटा मेंड गाटो तक हक तून सुनिश्चित कियाना हेनन आपुना बाटा दिशा–निर्देश आंद। (भोजन के अधिकार हेतु स्वैक्षिक दिशा–निर्देश) इद नवंबर 2004 ते खाद्य अन कृषि संगठन त 27वां बैठका ते सदस्य देश अपनेह कीतोर। पेरके इद कागेत 2006 ते ईर्रले ग्रामीण विकास अन कृषि सुधार त बूम बैठका (ICARRD) ते सदस्य देश लोर ओसावने माने मातूर।

अक्टूबर 2010 ते विश्व खाद्यान्न सुरक्षा समिति (CFS) त 36वां बैठका ते इद प्रस्तावित कागेत तून समावेशी प्रक्रिया तह विकसित कियाला अन उंद कार्यकारी कुंदा गठित कियाला विचार कियाना आत, ताकि आपुना बाटा दिशा–निर्देश त कागेत पंडाना आई।

इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश, विश्व खाद्यान्न व कृषि संगठन (FAO) तिकेडह प्रतिपादित अन अंतरराष्ट्रीय मान्यता पुटले मानक अन जिम्मा बिति प्रक्रिया ते आधारित आंद जैसे गाटो त हक अन आपुना बाटा जिम्मे बिता मीन पाले कियाना आचार संहिता, कीटनाशक त उपयोग अन तूसाना बाटा अंतरराष्ट्रीय आचार संहिता, ऊर्सले बट त जिम्मे बिति प्रबंधन अन आपुना बाटा दिशा–निर्देश,बट तून किस तह पिसहाना त आपुना बाटा दिशा–निर्देश आदि।

इद सपाय कागेत नीति, कानून, पद्धति, रणनीति, कार्यक्रम अन गतिविधि त निर्धारण हेनन महत्वपूर्ण आंद। इद निर्धारण त प्रक्रिया ते दूसोर संपूरक दिशा–निर्देश त उपयोग तकनीकी मार्गदर्शन बाटा कियाला आयर। संग ने इदेना उपयोग करिंहला, जनपैरवी अन क्रियान्वयन हेनन दिशा– निर्देश बाटा कियाना आयर।

इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश तून विश्व खाद्यान्न सुरक्षा समिति (CFS) त 11 मई 2012 त ईर्रले 38 वां बैठका ते अनुमोदित कीले आता।

इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश तून सपाय कार्यकारी कुंदा ते माध्यम तह जून, जुलाई, अक्टूबर 2011 अन मार्च 2012 ते विकसित कीले आता। इद प्रक्रिया वर्ष 2009–10 ते विभिन्न स्तर ते बैठका ईर्रले मता, क्षेत्र त बैठका ब्राजील, बुरकीनाफासो, इथोपिया, जार्डन, नामीबिया, पनामा, रोमानिया, रशियन फेडरेशन, सामोआ अन वियतनाम ते आयोजित किले मत्ता। इव क्षेत्रीय संगठन त माध्यम तह 133 देश नोर 700 लोर न पोल्लो दून मिलेह कीले आता, आपेडे आपुना बाटा संगठन, पोगरी अन चारवाही क्षेत्र तोर प्रतिनिधि अन शैक्षणिक संकाय तोर मानेय अन पुंदलेर सैयान मत्तोर। इद नडुम ते नालुंग बैठका आपुना बाटा त संगठन त ईर्रले आत–अफ्रीका ते माली, एशिया ते मलेशिया, यूरोप अन नडुम–पश्चिम एशिया ते इटली अन लैटिन अमरीका ना बाटा ब्राजील आपेडे 70 देश तोर 200 मानेय आपुना राय हीतूर। इदेना संगने निजी क्षेत्र तिकेडह ईर्रले बैठका ते 21 देश तोर 70 तह वेल्ला मानेय लोर आपुना राय हीतूर। इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश तून पंडाना हेननक् इलेक्ट्रॉनिक पोल्लो त माध्यम तह सुझाव केयले आत। इद कागेत ते पोगरी (निजी) अन चारवाही क्षेत्र, आपुना बाटा संगठन, षैक्षणिक क्षेत्र त माध्यम तह सपाय बूम मेटह सुझाव अन पोल्लो अपनेह कीले आता।

इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश, सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों (MDG) अन विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अन राष्ट्रीय मानक अन प्रस्ताव त हिसाब ते मानेय ना हक अन स्वामित्व त हक तह संदर्भित आंद। इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश तून दायित्व अन आपुना वचनबद्धता त रूप ते अपनेह कीसोर समीक्षागत सुधार न बाटा इदेना उपयोग कियाला माट प्रोत्साहित कीनतोरोम।

अध्याय 1

# प्रस्तावना

## 1. उद्देश्य

1.1 इद आपुना बाटा दिशा निर्देश त उद्देश्य जागा,

मीन अन कोटुम जहजाद त हक तून मजबूत कियाना आनं। ईदेना हर्र ते ताक्स कून मानेय कुंदा अन गरीब अन दुकिलोर मानेय त दीर्घकालिक सामाजिक – आर्थिक विकास, ग्रामीण विकास आवासी सुरक्षा, सामाजिक स्थायित्व दीर्घकालिक जीविकोपार्जन, गरीबी उन्मूलन, अन गाटो त हक एवहाना मनता। मानेय हक त बुम घोषणापत्र, अंतरराष्ट्रीय कानून, संधि अन प्रतिज्ञापत्र तह आपुना बाटा, दिशा–निर्देश त हर्र ताकसोर राज त भूमिका अन दायित्व अन सपोय कार्यक्रम, नीति अन तकनीकी सहयोग तून प्रगतिशील पंडाना आंन।

1.2 इद आपुना बाटा दिशा निर्देश त माध्यम त

(1) अंतरराष्ट्रीय कानूनों, संधियों और प्रतिज्ञा पत्रों के अनुरूप, शासन तून प्रगतिशील पंड़सकून जागा, मीन, अन कोटुम घन त प्रबंधन, नियंत्रण अन बौरे मायना त हक उपहाना

(2) इद संसाधन त हक त बारेन ते सपोय हक तह नीतिगत अन ढांचागत क्षेत्र ते तिसहाना आनं।

(3) हक तून निश्चित कियाना पारदर्शी अन सुचारूतंत्र तून

(4) हक त उत्तरदायी राज बाटा वैधानिक अभिकरण

अपुनाराज, दुकिलोर अन मंझला किसान न संगठन, मीन–कोटुम अन चारो उपजेह केवल कोयतोर अन बानी बिरादर, स्वैच्छिक संगठन, निजी क्षेत्र, शैक्षणिक अन त विकास कियाना अन मजबूत पंडाना आनं।

## 2. प्रकृति अन कार्य क्षेत्र (बूतो जागा)

2.1 इद आपुना बाटा दिशा निर्देश आनं।

2.2 इद आपुना बाटा दिशा निर्देश तून राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय कानून त अनुरूप राज त जिम्मे त संदर्भ ते परिभाषित कीले आता। इद मुने बेड़साना राज तून मजबूत कियाला रास्ट्रीय क्षेत्रीय अन अन्तर्राष्ट्रीय कोशिल त अनुसार जागा मीन अन कोटुम धन त हक त जरूरी मन्तेर आनं। इद दिशा निर्देश राज त जक तुन नियंत्रण अन उदेना उदेली केवो।

2.3 हक त राजतुन मजबूत अ न प्रभावी पंडला ईद राज, प्रशासन तंत्र नियाव अभिकरण, अपुना प्रशासन तंत्र, हुडीलोर अन मंझला किसान संगठन,। मीन, कोटुम अन चारों उपजे केवटोर, कोयातर अन बानी बिरादरी, अपूना संगठन, कमोधो क्षेत्र, शैक्षिक अन शोध संस्थान अनसंपय बो य ले र मानेय लोर बौरें माय पेयतोर।

2.4 ईद अपुणा बाटा दिशा–निर्देश त बुटो जागा बूम मेड एंड आंद। राष्ट्रीय संदर्भ त हिसाब ते हेडन आर्थिक विकास त अवस्था ते बड़े राज व्यवस्था ते माने य त चरवाही, कमोड़ी, संयुक्त अन पुरखा त हक तूं न सुनिश्चित कियाला किया पर्रटोर।

2.5 इद अपुना बाटा दिशा–निर्देश तुन राष्ट्रीय नियाव व्यवस्था अन निकाय त हिसाब त लागू अन पुनर्परिभासित किया पर्रतोर।

अध्याय 2

# सामान्य सिद्धांत

इद जागा नेली मीनक अनि केड़ा गुट्टा त अधिकार अनि जिम्मेदारी त मावा शासन त साटी नीति नियम अनि अदे राज त मावा शासन त जिम्मे अंतर्राष्टीय लोक जिम्मे लेहका अधिकार तुन तय कियना।

## 3.(अ) सामान्य सिद्धांत

3.1 राज त जिम्मेदारी–

1. सबोय अधिकार दुरवाल मानेयक अनि ओरा अधिकार तुन माने मासुन सम्मान तय कियना। अपुना हितल अनि पीढ़ी –दर – पीढ़ी त अधिकार तुन चिन्हे मायना। अनि अंदेमा लेहका अधिकार अनि जिम्मे लेहका बनेह कियना।
2. अधिकार त हनन अनि अलग रक्षा त रक्षात्मक प्रावधान तय कियना। राष्ट्रीय अनि अंतर्राष्ट्रीय कानून अनि जिम्मे त लाव अनि अधिकार त उन्दी साइड हनन तून रोके किया साटी जवाब हियना पावर त कानुन तैयार कियना।
3. हितल अधिकार त प्रयोग किया सादी उन्दी सोबय व्यवस्था कियना। इद राज त हितल सबोय त हेरे अनि ओरा कितल बुतो त प्रशंसा कियना।
4. अधिकार तुन खतम आयना स्थिति ते न्याय तिया अवनाकिन शासन बनेह कियना। ध्याध्यिक अनि अदमें उपाय किसुन झगड़ा तुन निपटेह कियना। न्याय तंत्र तिया अवनाह किन उपाय अनि हितल निर्णय अनि अदेना निर्णय अनि अदेना पालन त साटी बुतो कियना।
5. संसाधन त झगड़ा अनि मेहनत अनि भ्रष्टाचार हटेह किसुन व्यवस्था बनेह कियना।

3.2. राज त शासन लेहका असा शासन व्यापार अनि उद्यम ते जिम्मे कियना। मानय अधिकार अनि प्राकृतिक संसाधन ते मानय त अधिकार त सम्मान किमट। व्यवसायिक उद्यम त जिम्में इद मनता झगड़ा तल पिसना साटी सबोय जागा चर्चा कियना। मावा पुरखा त मानय अधिकार त खतरा अधिक ओरा अधिकार त उल्लंघन

तुन कम कियना त रक्षा समिती त निर्माण कियना। इद हुड़तल गैर न्यायिक तंत्र त स्थापना कियना दिया ते सबोय जागा शिकायत ते निर्णय समिती बनेह किसुन उद्यम तल आयना अधिकार त हनन अनि अदेना उल्टा प्रभाव तुन रोके किया लागर। सही ते व्यवस्था अनि उद्यम ते जिम्मे मनता कि संसाधन त अधिकार अनि मानय अधिकार त उल्लंघन त पहचान कियना। अनि अदेना लक त प्रभाव तल मानय तुन सचेत कितना। इदेना लेहका राज त जिम्में अंतर्राष्ट्रीय संधि त लेहका न्याय तंत्र त निर्माण किसुन व्यवसायिक उद्यम त उल्टा प्रभाव तल मानय तुन न्याय हियना। बहुर्राष्ट्रीय उद्यमें त साटी इद स्थिति ते खुद राज तथा प्रभावित राज तुन जवाब हिय लागर। मानय अधिकार त उल्लंघन तुन रोके किय लागर।

राज पोषित उद्दम त संदर्भ ते राज त जिम्मे मनता कि अद राज निकाय त संसाधन त अधिकार अनि मानय अधिकार त उल्लंघन तुन लक इर लागर

## 3.(ब) क्रियान्वयन के सिद्धांत कितल काम त (सिद्धांत) नियम त हजोर भूमिका, जागा, नेली, मीनक अनी केड़ा गुट्टा त अधिकार तुन बनेह कियाना साटी सहयोग कियना।

1. मानय अधिकार अनि सम्मान – सबोय समाज त परंपरा अनि पीढ़ी–दर–पीढ़ी अनि न्याय अनि अधिकार त मान्यता (माने मायना) अनि सम्मान कियना।
2. भेदभाव तल अलग – कानून अनि नीति नियम त पालन अनि फायदा तल बोने अलग इरना हिल्ले।
3. बरोबर अनि न्याय – राष्ट्र त संदर्भ ते परके अरतोरक लयोर,आई माई अनि मानय त जागा नेली मीन अनि केड़ा गुट्टा तिगा बरोबर अधिकार ते कियना अनि समाज त (अनुसार) लेहका अनि समाज तुन बरोबर न्याय हियना।
4. मानय आई माई बरोबर – आई माई अनि मानय तुन बरोबर अधिकार तय कियना अनि बरोबर सम्मान हियना।
5. बरोबर अनि मजबूत व्यवस्था – प्रकृति अनि केड़ा गुट्टा अनि अदेना उपयोग त बरोबर सामाजिक संबंध त सम्मान किसुन वल्लेंग दिवस ताकि अनि बरोबर शासन त (स्थापना) बनेह कियना।
6. सहमति अनि भागीदारी – नियाव त कार्य तिगा सब लोरा भागीदारी दूरसोर केड़ा गुट्टा त अधिकार त जानकारी मानय त हित अनि निर्णय त सम्मान कियना।

7. कानून त शासन – राष्ट्र अनि अंतर्राष्ट्रीय कानून त लेहका अनि सम्मेलन त प्रस्ताव (अनुसार) त लेहका इदेन मानय भाषा बोली ते होजोर रूप त प्रकाशित अनि प्रसारित किसोर निष्पक्ष न्याय अनि निर्णय बनेय किहना।

8. पारदर्शिता –सबोय मानय तिगा अवनाकिन अनि व्यापक रूप तल,सबोय बोली भाषा ते नीति नियम अनि कानून तुन मानय समाज त अवहना।

9. जवाब हियना – कानून त शासन त सिद्धांत लेहका खुद त जन निकाय अनि गैर सरकारी संस्था त जवाब हियना।

10. मजबूत सुधार – राज त पाले कितल तंत्र त निगरानी अनि सुधार तुन हुड़स परखे मासुन कार्यक्रम अनि जवाब हियना शासन स्थापना कियना।

## 4. शासन त अधिकार अनि जिम्मे

4.1 राज त उन्दी जिम्में इरसुन समाज त आर्थिक विकास नाटेना विकास लोन त (सुरक्षा) रक्षा जीवन यापन गरीबी न पोर्रो लेहना अनि रक्षा त होजोर उद्देश्य–त मानव अधिकार तुन हुड्स जागा बेली मीन अनि केड़ा गुट्टा त जिम्मे शासन त स्थापना कियाना।

4.2. राज त जिम्मे मनला कि मावा. केश– गुट्टा त जिम्मे तय कियना अनि अद दिशा ने राष्ट्र– अनि अंतर्राष्ट्रीय कानून अनि कार्यक्रम त अनुपालन कियनाद्य

4.3. राज इद तय किया लागर कि मालिकाना अधिकार राज अनि स्वर्ण उद्दम असीमित हिल्ले।मालिक त अधिकार त मान्यता मानव हित उद्देश्य दूसरो त अधिकार त सम्मान किसोर तय कियना द्य इदेना त अधिकार राज न मानय अधिकार जिसमें अनि कड़ा–गुट्टा रक्षा न मानक लेहका तय कियना। इद जागा नेली, मीन अनि केड़ा गुट्टा त मालिक त अधिकार तय कियना।

4.4. राज त जिम्मे मनता कि अधिकार तुन न्याय त मान्यता दियना। विशेष रूप तल अद स्थिति कानून त दायरा कम मनता। इद परिस्थिति ते कानून अनि नीति–नियम भेद आव तल अलग मानय–अनि आई–माई त आधार ते तय कियना द्य इगा केड़ा गुट्टा तिगा मालिकाना अधिकार तय किस राष्ट्रीय अन्तरर्राष्ट्रीय कानून त पालन किया।

4.5. राज जिम्मे मनता कि जागा– ने ली तल हटहे किसुन मालिकाना अधिकार पालन किसुन मानव त रक्षा तय कियना।

4.6. राज त जिम्मे मनता कि जागा–नेली. केड़ा गुट्टा अनि जिनगी तुन ताकिह ल केड़ा गुट्टा त न्यायिक अधिकार प्राप्त किसुन समान तल भेदभाव तुन समाप्त कियना। संगय मावा परम्परा अनि पुरखा त हितल मालिकाना अधिकार तय कियना।

4.7. राज त जिम्मे मनता कि मावा अधिकार तुन प्राप्त केवल मानय अनि सामाजिक अनि आर्थिक भेदभाव तून अलग किसुन अवसर हियना। संगय ओरकुन मालिकाना अधिकार त न्याय म क्रियान्वयन साही समिति तल जोड़बे कियना।

4.8 राज त जिम्मे मनता कि मानय लुन बरोबर अनि निर्धारित समय त भीतर प्रभाव अनि योग्य न्याय, अनि शासन व्यवस्था तय कितना। अपील न अधिकार अनि न्याय व विशेष रुप हाल बहाली अनि क्षतिपूर्ति त निर्धारण निष्पक्षप रूप तय कियना द्य राज त जिम्में मनता परके अरतोन मानय तुन न्याय हियना तय किया लागर।

4.9 राज त जिम्मे मनता कि जागा–नेली, मीनक अनिक केड़ा– गुट्टा न मालिकाना अधिकार तुन हुइस नीति अनि कानून त निर्धारण अनि पालन ते खास मानय त भागीदारी तुन तय कियना। राष्ट्र स्तर ते कानून त निर्धारण तय कियना। राज अनि मानय निकाय त आधार ते लियनाद्य

4.10 राज जिम्मे मनना कि जागानेली– मीनक अनिक केड़ा– गुट्टा त मालिकाना अधिकार तुन हुड्स नीति अनि कानून तय किस अदेला पालन कियना मानय त भागीदारी तय कियना द्य राष्ट्र स्तर ते कानून त (निर्धारण किस राज अनि निकाय त माध्यम उरना।

## 5. स्वामित्व से संबंधित वैधानिक नीतिगत तथा संस्थागत ढाँचा मालिकाना त लेहका वैधानिक रीति-नीति अनि संस्था त

5.1. राज त जागा–नेली अनि मीन केड़ा गुट्टा त मालिकाना तय कियना, कानून रीति–नीति अनि संस्थागत दांचा त माध्यम ते जवाब देह स्थापित अनि तय कियना।

5.2. राज तुन इद तय किया लागर कि कानून नीति अनि शासन नमूना मूलरूप तय (राष्ट्रीय) राष्ट्र अनि अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव ल लेख इरना द्य

5.3 राज त कानून, रीति–नीति अनि शासन त ढाँचा त तय कियना संसाधन व पुराना पसंपरा अनुसार अधिकार तुन मान्यता अनि प्रोत्साहन दिन लागर प्रशासन त ढाँचा पहले त लेखा जानानेली मीनक, अनि केड़ा–गुट्टा त अधिकार तय कियना। सामाजिक, आर्थिक अनि सांस्कृतिक अनि पर्यावरण त महत्व तुन प्रदर्शित किस समान कियना।

प्रशासनिक ढांचा इव संसाधन व अंतर्संबंध तून पड़ख तुन एकीकृत हुजोड़ अन प्रशासन त स्थापना कियाना आई।

5.4 राज टिकेहट मुयतह अन पेकित त संसाधन त हक तून सुनिश्चित कीस तुन कानूनी अन नीति हुजाड़ (व्यवस्था) त निर्धारण कियना आई। राज संसाधन त हक तुन सम कीस तून यथोचित नियाव सेवाओं अन दुसोर माध्यम तह मुयतह तून मजबूत केवी।

5.5 राज तिकेहड़ नीतियाँ, कानूनी अन प्रक्रियाओं त निर्धारण कियाला सपाय लोयलेर पस तुन सग सम भागीदारी अवसर हेवी, ताकि क्रियान्वयन ते सपोग पक्ष व जिम्मेट निर्धारण सुनिश्चित किया आई। इदेना बाटा लैंगिक भेदभाव रहित प्रक्रियाओं, नीतियों अन कानून त पोल्लो अन भावना दिशनह आई।



5.6 राज तिकेहड़ निर्धारित तंत्रो त अनुपालन कियाला सपोय स्तर ते शासन न भूमिका तया फियाला आई। इदेन का सपाय बोयतोर निकाय त भूमिका अन जिम्मेतून परिभाषित कियाना आई द्य राज त भूमिका क्रियान्वयन त उत्तरदायी सपाय निकाय, आपुना राज कोयतोर कुंदा अन बानी बिरादर मानेय त नहुम पोल्लो कियना तंत्र उपहाना आई।

5.7 राज तिकेहड़ कानूनों, नीतियों, संगठनात्मक ढांचा अन क्रियान्वयन त उत्तरदायी निकायों त निर्धारण ते आपना बाटा संगठन, कमोड़ी निकाय अन शैक्षणिक संस्थानों त सहयोन सुनिश्चित कियाना आई।

5.8 राज्य तिकेहड़ रोजाय नीतिगत, कानूनी अन प्रशासनिक ढांचा त निगरानी अन जांच कियाना आई बाकिया अदेन प्रभावशाली हुजाड़ लेहका पंडला आई। नियाव अभिकरण अन क्रियान्वयन केवाल निकाय त जिम्मा आनं कि पारदर्शी पोल्लो जिम्मा हुजाड़ त उपहाना ते आपुना बाटा संगठन अन समाज तोर मुखलोर न सुदा पोल्लो वड़काना आई। बाकिया बताय परिवर्तन अन ताना मुन्ने बासा त परिणाम त कबिर मानेय कून हिया आई।

5.9 राज त नीति अन कानून ते बरे प्रस्तावित परिवर्तन अनि संदर्भ ते परिवर्तन त कबिर न दृष्टिगत, राष्ट्रीय राज पटना परमे। रुज पुटाना त दिशा ते व्यापक राजनैतिक, सामाजिक, वैधानिक, सांस्कृतिक धार्मिक अन पर्यावरणीय संदर्भ तून मानेय हित ते तुसाना आई।

## 6. सेवाओं का प्रतिपादन

6.1 राज तिकेडह क्रियान्वयन त उत्तरदायी निकायों त मानेय, भौतिक वित्तीय अन अति दूसोर श्रमता तून हियाना अनुरूप विकसित किया आई। ताना सुदा बोयले निकाय कून बेरा हिसाब ते प्रभावी पड़ना आई। इद दिशा ते हियाना मंत्र तह बोयलेर पक्ष तून लैंगिक अन सामाजिक समानता त प्रशिक्षण हियाना आई।

6.2 राज इर सुनिश्चित केवी कि क्रियान्वयन त प्रशासनिकहुजाड़ (व्यवस्था), राष्ट्रीय अन अंतर्राष्ट्रीय कानून अन प्रस्ताव अन दायित्व त अनुसार आई द्य ताना सुदा इद दायित्व, क्षेत्रीय अन ढांचागत स्तर ते क्रियान्वयन त माध्यम तह दिसी।

2

6.3 राज जुल्म अन भेदभाव मनवा बेस हुजाड़ त उपहाना बाटा हक त उपयोग अन वरचाड़ त निपटारा त तंत्र पंडाना आई। राज पेलारा कानूनी अन प्रक्रियागत आढ़ा तून लेककीस कून संसाधन व हक सुनिश्चित केवी द्य राज तिबेडह क्रियान्वयन त जिम्मा गिति तंत्र त समीक्षा अन मूल्यांकन कीसोर यथा संभव सुधार कियना आई।

6.4 राज तिकेड़ह इद सुनिश्चित कियाना आई कि नियाम अभिकरण अन क्रियान्वयन त उत्तरदायी तंत्र मुख तह र वंचित समाज त सुदा सपाय मानेय त हेरे एवी द्य क्रियान्वयन त फायदा मानेय निगा एवहाना बाटा हयातीय प्रथा त उपयोग कियाना आई। इदेना वाटा स्थानीय जागा ते मार्गदर्शिका पंडाना आई, बाकिया विश्वसनीय अन प्रभावी तरीका त नीतियों अन कानूनों त क्रियान्वयन आई। क्रियान्वयन त प्रक्रिया त उद्देश्य, नियाल त गुणवत्ता तून ईराना आंद द्य इद सपोय स्थानीय पोल्लो ते छापे कीस सपोय पक्ष त हक अन दायित्व तून परिभाषित कियाना आई।

6.5 राज तिकेडह इदेन नीति, कानून त स्थापना कियाना आई, अव सपोय कोयतोर समाजसेवी संगठन, निजी क्षेत्र, शैक्षणिक निकाय अन सामान्य मानेय, सुदा वड्सकून पंडाना आई। संगले इद नी कि राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय मानओं त अनुरूप आई।

6.6 राज्य अन बोयलेर निकाय व भूमिका विशेष रूप त ओर वंचित समाज तिगा एवी जो नियाव अन प्रशासनिक तंत्र त गोंडरी तट बाहिर आतंग द्य इद दिशा ते कानूनी मार्गदर्शन, कानूनी सहयता, परा–कानूनी सहायक त सुदा लेक तोर वंचित समाज तह एवाना त सपाय प्रयास कियाना आई।

6.7 राज विशेष रूप तह क्रियान्वयन त जवाबदेह निकाय ते सेवा अन नियाव अन सम्मान व भावना तून प्रोत्साहित कियाना आई। इद निकाय त समीक्षा इद आधार ते आई कि अव निर्धारित मानदेह त अनुरूप, मानेय न भावना तून पूरा कीता या केवो? इद समीक्षा त रिपोर्ट चारवाही ते प्रकाशित अन वेसना आई। इद संबंध ते शिकायतकर्ता लोर न सुझाव पोल्लो अनुरूप तींजहाना त प्रक्रिया सतत आसोर मनी।

6.8 सघन अन मूल्य आधारित क्रियान्वयन त उद्देश्य ते निकायों की स्थापना अन संचालन बाटा व्यवसायिक प्रतिष्ठान कून जोड़े कियाना आई। अर्धसरकारी अन गैर सरकारी निकाय कून दायरा ते तास कम नैतिक मानदसकों उकेली व दिशा ते अनुशासनात्मक कार्रवाई कियाना आई।

6.9 राज्य विदेडह क्रियान्वयन तून प्रभावी अन मूल्य आधारित पंडामा बाटा भ्रष्टाचार निरोधक उवातट सुनिश्चित कियाना आई। बाकिया कि हक त दुरुपयोग, विवाद त स्थिति ते सपाय पक्ष व भागीदारी ते निकाय समीक्षा अन नियाव कियाना।

अध्याय 3

# संसाधन त स्वामित्व न हक अन जिम्मे न वैधानिक मान्यता अन निर्धारण



इद अध्याय ते जागा, मीन अन बट धन ते कोयतोर समाज अन बोयलेर कुंदा त स्वामित्व त रुढ़िजन्य हक, उदेना निर्धारण तून राज अन अभिशासन त दातरा तून स्पष्ट कीले आता।

## 7. सुरक्षात्मक प्रावधान

7.1 राष्ट्रीय कानून, सुरक्षात्मक प्रावधान त अंतर्गत जागा, मीन अन बट धन त स्वामित्व त हक त निर्धारण, विशेष रुप तह हक त हनन अन अवमानना तून रोके कियाना ओड़ ते आई। विशेष रुप तह सुरक्षात्मक प्रावधान ओर लोरा हित ते आई ओनके स्वामित्व त हक इदेक त कानून त दायरा ते परिभाषित अन स्पष्ट कीले हिल्ले। इपेडे मुयताह अन विशेष रुप तह पिसलेर कुंदा त परम्परागत अन गैर मान्यता पुटले हक त रक्षा बाटा सुरक्षात्मक प्रावधान सुनिश्चित कियाना आई।

7.2 राज तिकेडह विशेष रुप तह इद सुनिश्चित कियाना आई कि स्वामित्व त हक त मान्यता अन निर्धारण त ओड़ ते राष्ट्रीय अन अंतरराष्ट्रीय कानून अन प्रस्ताव ते उल्लेखित जिम्मा त निर्धारण आई।

7.3 राज तिकेडह स्वामित्व त हक त मान्यता त ओड़ ते मुन्ने चरण अन सपाय लोर न हक त समावेश आयना आई जो दर्ज कीले मनि अनि मनमकि। इद समावेशी प्रक्रिया ते विशेष रुप तह कोयतोर कुंदा, पिसलेर कुंदा त रुढ़िजन्य हक त मान्यता मुख रुप तह आई।

7.4 राज तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि मुयताह अन मुयतोर न सम हक तह अव पूना मान्यता पुटले स्वामित्व त हक तून पोयिर जो कानूनी कागेत त

माध्यम तह स्पष्ट आई। राज तिकेडह यथा संभव – समाज, कुंदा अन पोगरी स्तर ते स्वामित्व त हक तून प्राथमिकता त हिसाब तह मान्यता हियाना आई। इदेना उद्देश्य गरीब अन पिसलेर कून मुन्ने प्राथमिकता त हिसाब तह वैधानिक सहायता हियाना आई। इद ओड़ ते स्वामित्व त हक त मानचित्रीकरण कीसोर पारदर्शी अन प्रभावी व्यवस्था पंडाना आई।

7.5 राज तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि बोनकून्कन स्वामित्व त हक त मान्यता हियाना आंता अन बोन तो पूना हक हियाना आंता ओरकून हक अन जिम्मा त सपाय जानकारी मनि। इद ओड़ ते राज,सहयोग तंत्र ऊपिहही।

7.6 बव परिस्थिति ते स्वामित्व त हक त मान्यता राज तिकेडह हिल्ले, अगा राष्ट्रीय अन अंतरराष्ट्रीय कानून अन जिम्मा त हनन तून रोके कियाना ओड़ ते काल्क तेहाना आई।

## 8. चारवाही जागा, मीन अन बट धन

8.1 राज तिकेडह व्यापक सामाजिक–आर्थिक अन पुरुड़ त उद्देश्य त हिसाब ते चारवाही जागा, मीन अन बट धन त बौंवरे कियाना अन नियंत्रण तून निर्धारित कियाना आई। राज इद सुनिश्चित केवी कि इद ओड़ ते सपाय निर्णय राष्ट्रीय अन अंतरराष्ट्रीय कानून अन जिम्मा त हिसाब ते आई।

8.2 अगा राज जागा, मीन अन बट धन त हकदार अन नियंत्रक मंतोर अगा मानेय अन कुंदा त रुढ़िजन्य हक तून मान्यता हीसोर समुदाय त हक सुरक्षित कियाना आई। इदेना बाटा राष्ट्रीय कानून त हिसाब, स्वामित्व त हक तून स्पष्ट रुप तह प्रकाशित अन प्रसारित कियाना आई अद राष्ट्रीय अन अंतरराष्ट्रीय कानून अन प्रस्ताव त सम्मान सुनिश्चित कियाना आई।

8.3 राज तिकेडह कुंदा तिकेडह बौंवरे कियाना अन चारवाही हक त अधीन वायले जागा, मीन अन बट धन ते कुंदा त हक अन प्रबंधन तून मान्यता हियाना आई।

8.4 जागा, मीन अन बट धन त संदर्भ ते राज तिकेडह अद्यतन कबिरतंत्र ऊपिहहाना आई। आपेडे विशेष रूप तह इव धन त प्रशासनिक जिम्मा वालेर अन आपेडे कोयतोर अन बोयलेर पिसलेर कुंदा त भागीदारी सुनिश्चित आई। अगा संभव आतेक इव कुंदा त संसाधन ते स्वामित्व त हक अन पोगरी क्षेत्र त मंदले त जानकारी तून दर्ज कियाना त माध्यम पंडाना आई।

8.5 राज तिकेडह इद भी निर्धारित कियाना आई कि जागा, मीन अन बट धन ते बचोक हिस्सा ते अन निर्भर कुंदा त स्वामित्व मंदर अन बचोक हिस्सा ते बव शर्त अन समयावधि न बाटा सरकारी अन अर्धसरकारी उद्यम हक सुनिश्चित कियाना आयर।

8.6 राज न जागा, मीन अन बट धन त सम तुसाना तून सुनिश्चित कियाला राज तिकेडह उंद पारदर्शी नीति निर्धारित कीसोर इदेन जनहित ते प्रकाशित अन प्रसारित कियाना आई। इपेडे सपाय पक्ष तून समावेश कियाना आई। इद नीति त उद्देश्य उंद प्रभावी पारदर्शी अन जिम्मा बिति तंत्र ऊपहाना आई।

8.7 स्वामित्व त हक त जिम्मा बिति अभिशासन बाटा राज तिकेडह उंद ईदाम न नीति निर्धारण कियाना आई, अद व्यापक सामाजिक, आर्थिक अन पुरुड़ त उद्देश्य त हिसाब ते आई। संसाधन त स्वामित्व त हक त निर्धारण अन पुनर्निर्धारण ते स्थानीय कुंदा त परंपरागत हक तून विशेष मान्यता हियाना आई। इदेना सपाय पक्ष त भूमिका अन भागीदारी निर्णयात्मक प्रक्रिया ते आई। राज, विशेष रुप छह इद पोल्लो त ध्यान ईर्रि कि इव संसाधन ते निर्भर मंद्स आपुना जिनगी चलेह केवालोर न जिनगी पानी न हनन आयमकि।

8.8 राज तिकेडह प्रतिपादित नीति ते स्वामित्व त हक अन हक पुटले कुंदा त उल्लेख आई। संसाधन त निर्धारण ते इव कुंदा तिकेडह रूढ़िगत रुप बौंवरे कियाना हक तून सुरक्षित ईर्स भागीदारी अन हिस्सेदारी सुनिश्चित कियाना आई। राज तिकेडह इद विशेष हिसाब तह सुनिश्चित कियाना आई कि जागा, मीन अन बट धन ते निर्भर कुंदा त हक तून पूना निर्धारण तू न पंडाना आई।

8.9 राज तिकेडह स्वामित्व त हक त निर्धारण त ओड़ ते ईदाम प्रक्रिया तून ऊपिहना आई,अद स्पष्ट उपयोगी अन सपाय लोरकून समझे मायनह्क आई। विशेष रुप तह कोयतोर अन दूसोर कुंदा न चारवाही अन रुढ़िजन्य हक त मान्यता त संदर्भ ते इद मनि। सपाय पोल्लो ते ईदेना प्रकाशन अन प्रसारण कियाना आई। सपाय पूना अन मुन्ने त ऊपिहले स्वामित्व त हक तून उंद संयुक्त निकाय ते दर्ज कियाना आई ताकि मानेय न समझ विकसित कियाना आई।

8.10 राज तिकेडह इदाम पर्रले निकाय ऊपिहना आई, अद पोहकूल मानेय, भौतिक, वित्तीय अन दूसोर क्षमताक्षत हिसाब ते जागा, मीन अन बट धन त हक त संदर्भ ते प्रशिक्षण अन दूसोर आवश्यक सहयोग तंत्र हियाना आई।

8.11 राज तिकेडह निर्धारित नीति, कार्यक्रम अन निकाय त पारदर्शी मूल्यांकन अन समीक्षा कीसोर निराकरण बाटा आवश्यक कार्यवाही कियाना आई। इद समीक्षा ते खाद्य–सुरक्षा अन गरीबी उन्मूलन त प्रभाव तून विशेष हिसाब ते मुयताह कुंदा त संदर्भ ते रेखांकित कियाना आई।

## 9. कोयतोर अन दूसोर कुंदा त रूढ़िजन्य हक न हूजाड़

9.1 जागा,मीन अन बट धन ते कोयतोर अन दूसोर कुंदा त रुढ़िजन्य हक त हूजाड़ तून राज अन बोयलेर निकाय तिकेडह मान्यता हियाना आई।इद मान्यता ओरा सामाजिक, सांस्कृतिक, आधात्मिक,आर्थिक अन पुरुड़ अन राजनैतिक मूल्य त हिसाब ते हियाना आई।

3

9.2 जागा, मीन अन बट धन ते रुढ़िजन्य हक त हूजाड़ अन स्वशासन त माध्यम तह इव संसाधन त समतापूर्ण सुरक्षित अन टिकाऊ प्रक्रिया तिकेडह राज तिकेडह कोयतोर अन दूसोर कुंदा तून संरक्षण हेनन प्रोत्साहित कियाना आई। इद स्थानीय संस्था ते मुयताह, लेयोर, मुयतोर अन दूसोर सपाय प्रभावी भागीदारी तह सुनिश्चित कियाना आई। बगा तह आई कुंदा त मानेय न क्षमता तून बेड़सह कून रुढ़िजन्य हक त हूजाड़ त निर्णयात्मक प्रक्रिया ते ओरा सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कियाना आई।

9.3 राज तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि ओरा तिकेडह तेहले काल्क राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय कानून अन जिम्मा त अनुरूप आंद। कोयतोर कुंदा त परिपेक्ष्य ते राज तिकेडह कीले सपाय कार्रवाई, अंतर्राष्ट्रीय श्रमसंगठन (प्रस्ताव 169), अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता प्रस्ताव अन संयुक्त राष्ट्रसंघ तिकेडह कोयतोर कुंदा त हक त प्रतिपादन त परिपेक्ष्य ते आई। राज न कार्रवाई त ओड़, कोयतोर कुंदा त मानेय हक त प्रति ओरा जिम्मा त हिसाब ते आई।

9.4 गराज तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि कोयतोर अन दूसोर कुंदा त संसाध ान ते स्वामित्व त हक तून राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय कानून अन प्रस्ताव त हिसाब ते मान्यता हीले आता। इद आशय त कबिर मानेय न पोल्लो ते प्रकाशित प्रसारित कियाना आई।

9.5 अगा कोयतोर अन दूसोर कुंदा त हक ओरा परंपरागत अन वंशानुगत जागा ते मनि अगा राज न भूमिका, इदेन मान्यता हीसोर इद जागा त सुरक्षा आई। इदाम न जागा तह बताय बी विस्थापन तून रोके कियाना राज सरकार त जिम्मा आई।

9.7 राज त जिम्मा सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक अन पुरुड़ न मूल्य ते आधारित जागा, मीन अन बट धन त रुढ़िजन्य हक तून मान्यता हेवाल नीति तून कोटले आता। इद बूतो ते कोयतोर अन दूसोर कुंदा त भागीदारी तून सुनिश्चित कियाना आई।

9.8 राज तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि कोयतोर अन दूसोर कुंदा न रुढ़िगत हक त जागा, मीन अन बट धन न गैर जिम्मा बिति उपयोग आयमकि। राज, इव संसाधन त अधीन भौगोलिक क्षेत्र अन आपेडे कुंदा त हक तह बोयले कागेत तून चारवाही हिसाब ते प्रकाशित केवी। अगा इद कागेत मुने तह मंता अगा राज तिकेडह पोगरी अन चारवाही हक त विशेष उल्लेख कियाना आई ताकि होड़जोड़ अन वहचाड़ तून निपटेह कियाना आई।



## 10. अनौपचारिक स्वामित्व

10.1 अगा अन बद परिस्थिति ते जागा, मीन अन बट धन ते अनौपचारिक स्वामित्व मंता अगा राज त भूमिका, इव अनौपचारिक स्वामित्व त हक तून मान्यता हियाना आई। राज तून इदाम नीति त निर्धारण कियाना कि अद राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय मानक न हिसाब ते सामाजिक,आर्थिक अन पुरुड़ सुधार ते आधारित आई। इव नीति त निर्धारण, लैंगिक–संवेदनशीलता अन भागीदारी तून प्रोत्साहित केवाल आई। इदाम परिस्थिति ते बेहरा स्तर ते विताना आयना आतेक अनौपचारिक स्वामित्व तून महत्व हियाना आई।

10.2 अनौपचारिक स्वामित्व त परिस्थिति ते क्षेत्रीय अन अंतरराष्ट्रीय स्तर ते पोहकूल लोन न सुविधा त हक न दृष्टिगत राज तिकेडह काल्क तेहाना आई।

10.3 अनौपचारिक स्वामित्व त निर्धारण अन मान्यता त ओड़ ते राज तिकेडह विशेष हिसाब ते किसान अन कमैय केवाल न हक तून सुनिश्चित कियाना बाटा लैंगिक–संवैधानिकता अन भागीदारी त आधार ते निर्णय ऐताना आई। इव परिस्थिति ते विशेष रुप तह हुड़िलोर किसान अन ऊपजेह केवा लोरा न ध्यान ईर्राना आई। राज तिकेडह प्रक्रिया अन निर्णय तून पारदर्शी अन कानून न हिसाब तह पंडाना हेनन कुंदा तून वैधानिक अन व्यवसायिक सहयोग हियाना सुनिश्चित कियाना आई।

10.4 अनौपचारिक स्वामित्व तून नियंत्रित कियाला राज तिकेडह प्रशासनिक अन कानूनी स्तर ते सपाय काल्क तेहाना आई। विकास त आवश्यकता तून स्पष्ट अन कानून

न हिसाब पंडसोर जागा त उपयोग अन विकास तून कानूनी अन प्रशासनिक मानक न अनुरूप हुड़ाना आई अन बताय बी परिस्थिति ते इदेना उल्लंघन आयमकि।

10.5 राज तिकेडह भ्रष्टाचार पूड़ाना ओड़ ते ठोस काल्क तेहाना बाटा पारदर्शिता बेड़हाना, निर्णय प्रक्रिया त जिम्मा बिति अन निष्पक्ष निर्णय तंत्र तून प्रोत्साहित कियाना आई।

10.6 अगा अनौपचारिक स्वामित्व तून मान्यता हियाना संभव हिल्ले अगा राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय कानून अन जिम्मा त हिसाब ते लाव तह पुड़ाना तून रोकेकीस कुंदा त हक त रक्षा त जिम्मा ऐताना पहजे।

अध्याय 4

# स्वामित्व त हक अन दायित्व ते परिवर्तन अन हस्तांतरण

इद पाठ ते राज अन हाटुम केन्द्रित ढांचागत–समायोजन पुनर्वितरण सुधार,स्वामित्व,हरण अन पुनर्निमाण त परिपेक्ष्य ते स्वामित्व त अधिकार ते बदले मायना अन हस्तांतरण

## 11. हाटुम

11.1 अनुकूल बेरा ते राज त जागा, मीन अन बट धन त स्वामित्व त हक ते नियाव बिति अन पारदर्शी प्रक्रिया तिकेडह हाटुम न बाटा इव संसाधन त उपयोग अन स्वामित्व तून परिभाषित कियाना आई। इव परिस्थिति ते राज तून राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय कानून अन दायित्व त हिसाब ते निर्णय ऐताना आई। राज तून विकास त उद्देश्य तून खतरा ते डाले केवाय जागा, मीन अन बट धन ते समुदाय न स्वामित्व त हक न राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय मानक न पालन कियाना आई।

11.2 राज त भूमिका, गरीबों न भागीदारी बेड़िसहना बिति आर्थिक अवसर तून बेड़सहना, अंतर्राष्ट्रीय संधि त हिसाब ते जागा, मीन अन बट धन त समानतापूर्ण उपयोग अन अस्थिरता अन वहचाड़ तून कम कीसोर परस्पर लाभकारी अवसरिन वेड़िचहना अन आपेडे मानेय न भागीदारी तून सुनिश्चित कियाना आई। राज,संवेदनशील अन जिम्मा बिति हाटुम उपिहना बाटा मदद् हेवी किन्तु जागा त सट्टेबाजी, अवैध हस्तांतरण तह आयवल सामुदायिक हक त हनन तून रोके कियाना अन अदेना अवांछित प्रभाव तह कोयतोर, वंचित कुंदा त रक्षा त दायित्व तून वहन केवीर। राज तिकेडह समुदाय त सामाजिक, सांस्कृतिक अन पुरुड़ न रक्षा कियाना आई जो कि अनियंत्रित हाटुम त दशा ते आयो। राज त दायित्व बहुसंख्यक कुंदा त हित त रक्षा कियाला अनुकूल नीति अन कानून त निर्धारण अन पालन कियाना आई।

11.3 गैर प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण पंडला अन भेदभाव रहित हुजाड़ तून उपिहना बाटा राज तिकेडह नीति, कानून, नियंत्रण प्रणालियों अन संस्थान त स्थापना कीसोर पारदर्शी,

उत्तरदायी अन दक्ष हाटुम तून बेड़सहना आई। राज इदाम न प्रक्रिया विकसित केवी आपेडे हाटुम तिकेडह गरीब अन वंचित लोर कून हतोत्साहित आयमाकिर।

11.4 राज तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि हाटुम लेनदेन तह संबंधित सपाय कबिर पारदर्शी मानेय न हित ते प्रकाशित आई, मति अद गोपनीयता त हंद त पोर्रो ब आयमकि।राज तिकेडह हाटुम त लेनदेन त विपरीत प्रभाव त निगरानी कियाना आई।

11.5 राज तिकेडह इदाम न हूजाड़ कियाना आई कि जागा पंजीयन, स्वामित्व त हक अन जिम्मे त कबिर चारवाही माध्यम तह अवैध हस्तांतरण तून रोके कियाना आई।

11.6 राज तिकेडह जागा त पारदर्शी पंजीयन त हूजाड़ तून बेस पंडसोर लोतोर अन दूसोर त सहस्वामित्व त संरक्षण कीसोर सुरक्षात्मक कदम तेहाना आई।

11.7 राज अन दूसैर बोयलेर निकाय तिकेडह सपाय नैतिक मानदंड त पालन कियाना आई। राज, हाटुम केन्द्रित हूजाड़ ते इदेना पालन अन निगरानी हेनन हूजाड़ पंडसोर भ्रष्टाचार निरोधक कदम तेहाना अन मानेय न मुन्ने कबिर ईर्राना आई।

11.8 राज तिकेडह राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अन हुड़िलोर किसान, उपजेह केवाल न सामाजिक–आर्थिक स्थायित्व हेनन हाटुम ते हुड़िलोर उपजेह केवालोर त हित तून संरक्षण कियाना आई।

4

## 12. निवेश

12.1 राज अन राज तह बोयलेर गैर सरकारी निकाय तून चारवाही अन पोगरी उद्यम ते वित्तीय निवेश तह आयवल खाद्यान्न सुरक्षा त महत्व तून माने मायला आई। जागा, मीन अन बट धन त महत्वपूर्ण क्षेत्र ते जिम्मा बिति अभिशासन तह उंद जिम्मा बिति वित्ती–निवेश तून प्रोत्साहित कीसोर दीर्घकालिक कृषि उत्पादन त माध्यम तह आय न स्तर तून बेड़िसह पर्रार। राज तिकेडह विभिन्नता बिति कृषि तंत्रक्षत उपिहना बाटा व्यापक सामाजिक,आर्थिक अन पुरुड़ त हित तून हूड़सोर वित्तीय निवेश तून प्रोत्साहित कियाना आई। इदाम कीसोर राज तिकेडह राष्ट्रीय अन अंतरराष्ट्रीय कानून, दायित्व अन प्रस्ताव त हिसाब ते मानक न पालन कीसोर सुरक्षित निवेश न हर्र अपनेह कियाना आई।

12.2 विकासशील देश ते हुड़िलोर किसान अन उपजेह केवालोर बाटा कियाना निवेश त हेनन गरीबी उन्मूलन, खाद्य सुरक्षा, पुरुड़ त लचीलापन अन पोषक तत्व न उपलब्धता बेड़सानता। इदे दृष्टिकोण तह राज तिकेडह हुड़िलोर किसान अन

उपजेह केवालोर न समर्थन ते चारवाही अन पोगरी उद्यम तिकेडह निवेश तून प्रोत्साहित कियाना आई।

12.3 संसाधन ते स्वामित्व ते हक त परिपेक्ष्य ते जागा, मीन अन बट धन ते वित्तीय निवेश रोजाय इदाम प्रासंगिक राष्ट्रीय नीति तह मजबूत कियाना आई। अव मजबूती संगने सामाजिक–आर्थिक विकास अन दीर्घकालिक मानेय न विकास ते व्यापक उद्देश्य तून पूरा कियानता।

12.4 जिम्मा बिति वित्तीय निवेश त भूमिका, मानेय हक त सम्मान कीसोर पुरुड़ न क्षति अन विस्थापन त विरुद्ध पर्याप्त सुरक्षाक्षतंत्र हियाना आई। इदाम न निवेश, हुड़िलोर उपजेह केवालोर अन किसान न हित न संरक्षण कीसोर ओरा स्वामित्व त हक त रक्षा हिसाब ते आई। इदाम निवेश त दशा अंतरराष्ट्रीय श्रमसंगठन तिकेडह प्रतिपादित मानक त हिसाब ते गरीब अन वंचित समर्थक, देश त अन मानेय न हित त हिसाब ते जिनगी पानी त अवसर त विस्तार, सामाजिक–आर्थिक टिकाऊ विकास त प्रोत्साहन, स्थानीय खाद्यान्न उत्पादन तंत्र त प्रोत्साहन, ग्रामीण विकास ते योगदान, स्थानीय कुंदा तून सहायता, जागा, मीन अन बट धन त दीर्घकालिक उपयोग अन गरीबी उन्मूलन त व्यापक उद्देश्य तून एविहला आई।

12.5 राज तिकेडह राष्ट्रीय अन स्थानीय संदर्भ ते जनभागीदारी अन जनसहमति त हिसाब ते वित्तीय निवेश त प्रकृति, सीमा अन शर्त तियार कियाना आई अद मानेय न स्वामित्व त विरुद्ध आयमकि।

12.6 बेहरा वित्तीय निवेश त परिपेक्ष्य ते संभावित मानेय हक, जिनगी पानी, खाद्यान्न सुरक्षा अन पुरुड़ न नुकसान त सापेक्ष राज त भूमिका, पर्याप्त सुरक्षा तंत्र हियला आंद। इव परिस्थिति ते संसदीय प्रक्रिया अन जनसहमति त हिसाब तह वेल्ला जागा अन नैसर्गिक धन त हस्तांतरण त हंद तियार कियाना आई। राज तिकेडह इदाम न पूना प्रारूप तून प्रोत्साहित कियाना आई कि अन बेहरा वित्तीय निवेश न तुलना ते स्थानीय किसान अन उपजेह केवालोर न भागीदारी तून प्रोत्साहित केवी।

12.7 कोयतोर क्षेत्र अन कुंदा त नडुम आयवल निवेश त परिस्थिति ते राज त भूमिका आंद कि अद कोयतोर हक त बाटा संयुक्त राष्ट्र संघ त घोषणापत्र, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन त घोषणापत्र (169) त हिसाब ते राष्ट्रीय अन अंतर्राष्ट्रीय कानून त हिसाब ते आपुना जिम्मा न निर्वहन कीसोर निवेश त अनुमति हेवी। इदाम कीसोर कोयतोर अन दूसोर कुंदा संगने बड़क्स कून राय हिसाब ते ओरा सपाय विश्वास ऐताना आई (पैराग्राफ 9.9 त अनुसार)। इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश त सिद्धांत त आधार तह वित्तीय निवेश न अनुमति हियाना आई।

12.8 इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश त हिसाब तह राज तिकेडह निवेश त संदर्भ ते नीति त निर्धारण, प्रकाशन अन प्रसारण सुनिश्चित कियाना आई। इदाम कीसोर पुरुड़ त टिकाऊ उपयोग, खाद्यान्न सुरक्षा तून बेड़सहना अन जिम्मा बिति निवेश तून प्रोत्साहित केवाल मानक तियार कियाना आई। बेहरा वित्तीय निवेश त सहमति पत्र ते अव कानून न उल्लेख कियाना आई, अव राज अन निवेशक न हक अन जिम्मा तून वेहीर। इदाम न सहमति पत्र तून राष्ट्रीय कानूनी संरचना अन निवेश–संहिता त स्तर ते सुनिश्चित कियाना आई।

12.9 राज तिकेडह संसाधन ते स्वामित्व त हक त दृष्टिगत इव आपुना बाटा दिशा–निर्देश त हिसाब ते प्रावधान सुनिश्चित कियाना आई, आपेडे संभावित अधिग्रहण अन बोयले हक ते आयवल प्रभाव तून वेहाना आई। राज त जिम्मा आंद कि अद सपाय मानेय,परिवार,कुंदा तून ओरा हक तून वेहीर अन निर्णय त प्रक्रिया ते ओरा भागीदारी सुनिश्चित केवी अन जरूरी आतेक व्यवसायिक प्रतिष्ठान तह बी सहयोग हेवीर।

4

12.10 बेहरा निवेश त परिस्थिति ते राज तिकेडह स्वतंत्र निकाय न माध्यम तह खाद्यान्न सुरक्षा,स्वामित्व त हक, पोटा मेंड गाटो त हक, जिनगी पानी अन पुरुड़ तह बोयले पक्ष ते सकारात्मक अन नकारात्मक प्रभाव अन परिणाम न आंकलन कियाना आई। इद कड़ी ते रूढ़िजन्य अन अनौपचारिक स्वामित्व त हक अन ओरा दावा तून अपनेह कियाना आई। इद प्रक्रिया, इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश त पालन किया पर्राता। राज तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि बेहरा निवेश त सापेक्ष मानेय न स्वामित्व त हक तह बताय समझौता कियाना आयो।

12.11 बव पक्ष तह निवेश बाटा समझौता कियाला आंता ओनक कागेत अन जानकारी हियाना आई ताकि भेदभाव–रहित अन लैंगिक समानता तून प्रोत्साहित कियाना नजेर ते निवेशक अन प्रभावित पक्ष तून सपाय कबिर आई।

12.12 बातय बी परिस्थिति ते निवेश न हेनन खाद्यान्न असुरक्षा अन पुरुड़ न क्षति आयमकि। निवेशक न जिम्मा, राष्ट्रीय कानून अन कर्तव्य त दायरा ते स्वामित्व न हक न मान आई जैसे इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश ते मंता।

12.13 निवेश त संदर्भ ते बद तो व्यवसायिक संस्थान आपुना बूतो कियानता अदेन जागा, मीन अन बट धन ते स्वामित्व त हक तून सपाय लगन तह समझे मायना अन माने मायना आई अन अदेना हिसाब ते आपुना बूतो कियाना आई भले इदेना बाटा बातय निवेदन आयमकि।

12.14 राज अन बोयलेर पक्ष त जिम्मा आंद कि अद निवेश त समझौता त क्रियान्वयन अन निगरानी तंत्र त उपहाना सुनिश्चित केवी। इद संबंध ते सुधार बाटा कार्रवाई कीसोर स्वामित्व त हक तून सुरक्षित कियाला सपाय बूतो कियाना आई।

12.15 राज तिकेडह दूसोर देश ते वित्तीय निवेश कियाला आंता इद परिस्थिति ते राज तिकेडह क्षेत्रीय अन अंतर्राष्ट्रीय कानून अन मानक त हिसाब ते आपुना जिम्मा तून वहन कीसोर खाद्यान्न सुरक्षा अन संसाधन ते स्वामित्व न हक बाटा रक्षात्मक प्रावधान सुनिश्चित कियाना आई।

## 13. भूमि समेकन अन दूसोर सुधार त प्रक्रिया

13.1 मजबूत ग्रामीण विकास अन खाद्यान्न सुरक्षा त नजेर ते राज तिकेडह जागा मालिक राय तह जागा न समेकन अन जागा त उंद भाग त समेकन संभावित परिस्थिति ते कियाना आई। इदेना बाटा राज तिकेडह सपाय पक्ष त भागीदारी सुनिश्चित कीसोर क्षेत्रीय अन अंतर्राष्ट्रीय कानून, मानक अन जिम्मा त हिसाब ते आपुना बाटा दिशा–निर्देश त पालन कीसोर जागा त समेकन सुनिश्चित कियाना आई। इद बूतो त उपयोग वैधानिक –समायोजन बाटा सपाय संभावित अन बोयलेर पक्ष त नडुम समन्वय कियाना आई।

13.2 राज तिकेडह जागा त समेकन त बूतो त संचालन कीसोर उंद जागा कोष स्थापित कियाना आई अद अधिग्रहित अन समेकन कीलेर जागा तून लाभार्थिन हेवीर।

13.3 बचो आई, सरकारी अन पोगरी परियोजना बाटा जागा अधिग्रहण अन जागा समेकन तह जागा कोष पंडाना आई। राज तिकेडह जागा कोष त उपयोग हूड़िलोर किसान अन उपजेह केवालोर कून इद जागा, मुआवजा त रुप ते आबंटित कियाना आई आपेडे अदेन उत्पादन तून बेड़सहाना हेनन सहयोग पुट्टी।

13.4 बट क्षेत्र अन नेल (वेड्डा) ते हुड़िलोर किसान न स्वामित्व त पकाय कुटकेंगे आयले जागा ते उत्पादन त लागत बेड़सानता अगा राज तिकेडह जागा समेकन तून प्रोत्साहित कीसोर खेती ते संभावित नुकसान तून कम किया पर्रतोर। अन वेल्ला फसल तंत्र स्थापित कियाना आई। इदाम कीसोर सिंचाई, सड़क अन लोन क्षेत्र त विस्तार ते एकीकृत कार्यक्रम त संचालन कियाना आई। संगने भविष्य ते आयवल जागा ते अन वेल्ला बंटवारा तून रोके कीसोर निवेश त पूना संभावना त विकास कियाना आई।

13.5 राज तिकेडह स्थानीय जरूरतहन हिसाब ते रणनीति अन समायोजना त तरीका त निर्धारण कियाना आई। इदाम रणनीति जरूरी हिसाब तह मजबूत सामाजिक–आर्थिक अन पुरुड़ मानक त हिसाब अन लैंगिक –संवेदनशीलता ते आधारित आई। समायोजन त तरीका त उद्देश्य अन सिद्धांत इदाम रणनीति ते आधारित आई अद चारवाही क्षेत्र, पोगरी क्षेत्र हुड़िलोर किसान अन उपजेह केवाल संगठन, केंवटो, बट ते आश्रित मानेय अन शैक्षणिक संस्थान त ज्ञान ते बेड्हसिर अन सपाय बोयलेर पक्ष त क्षमता त विकास केवी। इद ओड़ ते कानून त निर्धारण, कम लागत बिता तरीका त निष्पादन तह कृषि ते उत्पादन अन उपयोग बेड़सहना तिके आई।

13.6 राज तिकेडह अव सपाय परियोजना ते सुरक्षा त प्रावधान सुनिश्चित कियाना आई अद समायोजन अन समेकन त अंतर्गत आंद। परियोजना तह प्रभावित सपाय पक्ष तून कबिर, उपयोग कियाना स्थानीय पोल्लो ते हियाना आई। कोयतोर कुंदा त संदर्भ ते ओरा हक त दृष्टिगत नियोजन कियाना आई। पुरुड़ त नुकसान तून कम कियाना उद्देश्य तह आदर्श जागा प्रबंधन, सुधार अन बेस तरीका तून प्रोत्साहन कियाना आई।

4

## 14. स्वामित्व त हक न बहाली

14.1 अगा आतेक राज तिकेडह राष्ट्रीय संदर्भ त दृष्टिगत जागा, मीन अन बट धन ते मानेय न स्वामित्व त हक त बहाली कियाना आई। इद संबंध ते राज तिकेडह राष्ट्रीय अन अंतर्राष्ट्रीय कानून, नीति अन जिम्मा त आधार ते मानक त हिसाब ते स्वामित्व त हक त बहाली त प्रक्रियाक्षत संपादन कियाना आई।

14.2 अगा आतेक सक्षम राष्ट्रीय प्राधिकरण त माध्यम तह मूल संसाधनक्षत बहाली संबंधित कुंदा अन ओरा वंशज न हक क्षेत्र ते ही आई। अगा मूल संसाधन त मेलहाना संभव आयो अद परिस्थिति ते राज तिकेडह उचित मुआवजा अन अदेना बरोबर जागा सपाय प्रभावित लोरकून सुनिश्चित कियाना आई।

14.3 अगा सभव आतेक राष्ट्रीय कानून अन नीति त हिसाब तह कोयतोर कुंदा त संसाधन अन ताना हक त बहाली कियाना आई।

14.4 राज तिकेडह लैंगिक संवेदनशील नीति अन कानून त निर्धारण कियाना आई। बहाली संबंधी प्रक्रिया त कबिर सपाय संभावित पोल्लो ते कीसकून इदेना प्रचार–प्रसार कियाना आई। इद संबंध ते सपाय दावा केवालोर कून कानून न

सहायता अन मार्गदर्शन हियाना आई। राज इद सुनिश्चित केवी कि बहाली त बूतो व्यवस्थित हिसाब ते संपादित कियाना आई। अगा जरूरी आतेक बहाली त पेरके बोयलेर पक्ष तून सहायता सेवा बी हियाना आई ताकि ओर आपुना हक न उपयोग कियाला परिर। बहाली संबंधी बूतो त प्रगति रिपोर्ट त व्यापक प्रचार–प्रसार कियाना आई।

## 15. पुनर्वितरणात्मक सुधार

15.1 पुनर्वितरण सुधार त माध्यम तह ग्रामीण विकास अन जागा सुधार त व्यापक उद्देश्य तून एविह पर्रला आयर। इदाम नेक राष्ट्रीय संदर्भ ते अगा तह संभव आई राज तिकेडह चारवाही जागा तून तुसाना, पोगरी जागा त जप्ती, चारवाही उद्देश्य तह मीन अन बट धन त संरक्षण अन विकास लेहका संवेदनशील हाटुम केन्द्रित हूजाड़ उपिहना आई।

15.2 पुनर्वितरण सुधार त दृष्टिकोण तह राज तिकेडह जागा हंद बंदी कियाना आई।

15.3 पुनर्वितरण सुधार त माध्यम तह मुयतोर अन मुयताह कून जागा, मीन अन बट ध ान त बरोबर हक सुनिश्चित कियाना आई। राष्ट्रीय संदर्भ ते पुनर्वितरण सुधार तिकेडह विशेष हिसाब ते ग्रामीण गरीबी त उन्मूलन त प्रयास कीसोर सामाजिक, आर्थिक अन पुरुड़ समानता त अवसर तून प्रोत्साहित कियाना आई (अनुच्छेद 15 के अनुरूप)।

15.4 अगा राज, पुनर्वितरण सुधार तून लागू कियाला आतेक अगा सुधार त हर्र, राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय कानून,जिम्मा अन प्रस्ताव त हिसाब तह आई। इद संबंध ते आपुना बाटा दिशा–निर्देश त दृष्टिगत काल्क तेहाना आई। राज तिकेडह सपाय पक्ष त आवश्यकता ते संतुलन उपिहच कून संवाद त माध्यम तह यथोचित विकास ते हर्र त निर्धारण कियाना आई। निर्धारण त बूतो तून राज, सपाय पक्ष लेहका समाज सेवी संगठन, पोगरी क्षेत्र, हुड़िलोर किसान अन उपजेह केवाल संगठन अन दूसोर पक्ष त परस्पर राय त आधार ते सुनिश्चित केवी। अगा कुंदा त जागा, मीन अन बट धन त स्वामित्व त हक तून तासतोर ओन सांडे समतुल्य मुआवजा हियाना आई।

15.5 राज, पुनर्निर्माण सुधार त नियोजन त उद्देश्य तून स्पष्ट केवी अन इद पोल्लो वेही कि जागा धन इदाम पुनर्वितरण त बूतो ते शामिल हिल्ले। पुनर्निर्माण सुधार त नियोजन त व्यापक दायरा ते कोयतोर, लेयोर, मुयताह, वंचित वर्ग, वेलियवालोर,

हुड़िलोर किसान अन उपजेह केवाल, कोंदांग मेहवालोर, परंपरागत रुप तह वंचित लोर, झुग्गी नाटे मनवालोर, जागा हिलवालोर न हक तून स्पष्ट हिसाब ते परिभाषित कियाना आई।

15.6 अगा राज, पुनर्निर्माण सुधार तून लागू कियार। अगा बोयलेर नीति अन कानून त निर्धारण सपाय पक्ष ते परस्पर भागीदारी त माध्यम तह सुनिश्चित कियाना आई। इद प्रक्रिया ते राज इद सुनिश्चित केवी कि जागा, बट अन मीन धन तह पुटले आय तह बोयलेर पक्ष अंद बेस जिनगी पानी कियाना परिर। पुनर्निर्माण सुधार त लाभ सपाय पक्ष तून एविहना उद्देश्य तह राज तिकेडह ईदामना नीति ते जरूरी संसोधन कियाना आई।

15.7 राज तिकेडह पुनर्निर्माण सुधार त लाभ त दृष्टिकोण तह स्वामित्व त हक अन खाद्यान्न सुरक्षा तह पोटा मेंड गाटो त हक, जिनगी पानी अन पुरुड़ त हक त सकारात्मक अन नकारात्मक प्रभाव त समीक्षा कियाना आई। इद समीक्षा इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश त मानक न हिसाब तह सपाय न भागीदारी त आधार ते आई। इद समीक्षा त उपयोग, सुधार त प्रक्रिया तून सपाय मानेय तह एविहला पंडाना आई।

15.8 पुनर्निर्माण सुधार न तहत जागा सुधार त संगने उधार उपलब्धता,फसल बीमा, उपजेह कियाना साधन त उपलब्धता, तकनीकी सहायता, विस्तार सेवायें,कृषि विकास अन लोन न सुविधा हियाना जिम्मा बी राज न आई। इद संबंध ते राज तिकेडह जागा अन दूसोर बोयलेर सुधार न बाटा बजट त कलन कीसोर रुपयांग हियाना आई।

15.9 राज तिकेडह पुनर्निर्माण सुधार त प्रक्रिया तून मानेय न भागीदारी न संगने पारदर्शी अन जिम्मे बिता तरीका तह लागू कियाना आई। सुधार तह प्रभावित सपाय पक्ष तून अनुच्छेद – 16 त अनुसार नियावसुदा मुआवजा राष्ट्रीय कानून त हिसाब तह हियाना आई। इपेडे मुयताह कून जानकारी हियाना पहजे। पुनर्निर्माण सुधार न बाटा लाभार्थी न चयन, चारवाही प्रक्रिया त तहत कियाना आई। राज, पूर्ण पारदर्शिता, भागीदारी अन जिम्मा एत्सकून सुधार त प्रक्रिया तून भ्रष्टाचार तह लेक ईरिर।

15.10 राज तिकेडह पुनर्निर्माण सुधार त परिणाम न निगरानी अन मूल्यांकन कियाना आई। पैराग्राफ 25.8 त हिसाब ते सुधार न प्रक्रिया त सपाय पक्ष न समीक्षा न हिसाब तह राज तिकेडह पुनर्निर्माण त प्रक्रिया तून सुधार कीसोर इदेन वेला प्रभावी पंडाना आई।

## 16. अधिग्रहण अन मुआवजा

16.1 राज तिकेडह राष्ट्रीय संदर्भ ते राष्ट्रीय कानून अन नीति त हिसाब ते मानेय न लाभ त चारवाही उद्देश्य न बाटा जागा, मीन अन बट धन त हक तासहाना आई। राज, इद मानेय न लाभ तून स्पष्ट हिसाब ते कानून ते परिभाषित केवी, अदेना न्यायिक समीक्षा बी कियाना आई। राज तिकेडह इद बी सुनिश्चित कियाना आई कि बद कुंदा त संसाधन त हक तासहना आता अदेन न्यायोचित मुआवजा राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय कानून अन प्रस्ताव न हिसाब ते सांडे हेवी।

16.2 राज तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि जिम्मा बिति प्रक्रिया अन नियोजन पूर्णतः पारदर्शी अन मानेय न भागीदारी सुदा आई। सपाय प्रभावित पक्ष तून सपाय स्तर ते कबिर हियाना आई। बोयलेर पक्ष तह इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश त हिसाब तह राय ऐताना आई अन वैकल्पिक तरीका ते वड़्क्सकून रणनीति पंडाना आई कि जिनगी पानी त घाटा वेला मनमाकि। राज अव परिस्थिति ते विशेष हिसाब तह संवेदनशील मनी, अगा जागा, मीन अन बट धन त स्वामित्व तासिहले वंचित कुंदा त सांस्कृतिक, धार्मिक अन पुरुड़ न पक्ष प्रभावित आयमकि।

16.3 राज तिकेडह सपाय बोयलेर पक्ष तून बेस कीमत आधारित सांडे मुआवजा राष्ट्रीय कानून न हिसाब तह सुनिश्चित कियाना आई। मुआवजा त प्रारूप नकद, वैकल्पिक जागा अन रंडो न समन्वित अंश आय पर्रता।

16.4 राज तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि क्रियान्वयन हेनन जिम्मा बिति निकाय ते सक्षम मानेय, भौतिक, प्रशासनिक, वित्तीय आन दूसोर क्षमताएं मंता।

16.5 अगा परियोजना तून बदले मातेक अधिग्रहित संसाधन न उपयोग केवोर अगा इव संसाधन ते मुन्ने हक मूल स्वामी अन वंचित लोरकून हियाना आई। इदाम परिस्थिति ते पुनर्निर्माण त प्रक्रिया त संपादन वंचित कुंदा त हित न बाटा कियाना आई।

16.6 इद प्रक्रिया तून स्पष्ट अन जिम्मा बिति पंडाना न बाटा विकेन्द्रित, पारदर्शी, वास्तविक मूल्यांकन, विकेन्द्रित सेवा अन अपील त हक लेहका मानक न हिसाब ते निर्णय ऐताना आई।

16.7 अगा चारवाही हित न बाटा जागा, मीन अन बट धन न अधिग्रहण कियाना आनता, अगा राज त भूमिका, प्रभावित पक्ष त मानेय न हक त सुरक्षा अन इज्जत कियाना आई।

16.8 स्वामित्व तासहाना प्रक्रिया ते जागा उपयोगिता ये बदले मायना तह कुंदा विशेष हिसाब ते वंचित आयवर दशा ते राज न जिम्मा आंद कि प्रभावित पक्ष न राय त हिसाब ते सपाय संभावित विकल्प न पड़किर, इदाम नेक इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश त भावना न हिसाब ते स्वामित्व तासहाना त संभावना तून कम कियाना आई।

16.9 बदे बी परिस्थिति ते स्वामित्व तासहाना त परिणाम, मानेय हक त उल्लंघन कीसोर मानेय कून बिना जागा बिता, लोन हिलवोर अन वंचित पंडाना आयमकि। बल्कि इद परिस्थिति ते राज त भूमिका– वैकल्पिक लोन, उपयोगी जागा ते पुनर्वास त आई ताकि जागा, मीन अन बट ध ते मानेय न हक आई।

अध्याय 5

# स्वामित्व त हक त प्रशासन

इद अध्याय ते जागा,मीन अ बट धन ते हक त स्वामित्व त प्रशासन अन अदेना स्वामित्व त हक न लेखांकन, मूल्यांकन, कर प्रबंधन, नियामक तंत्र, नियोजन, समस्या निवारण तंत्र अन बोयले हंद त पक्ष तून वेहले आता।

## 17. स्वामित्व त हक त मूल्यांकन

17.1 राज तिकेडह पंजीयन, मानचित्रीकरण अन लाइसेंस न प्रक्रिया त माध्यम तह पोगरी अन चारवाही स्वामित्व त हक तून दर्ज कियाना त प्रक्रिया तून निर्धारित कियाना आई। विशेष रुप तह कोयतोर अन दूसोर कुंदा त रुढ़िजन्य स्वामित्व त हक, पोगरी अन चारवाही क्षेत्र त स्वामित्व, राज पोषित स्वामित्व त हक अन स्थानीय निकाय अन हाटुम न अधीन स्वामित्व न हक त संदर्भ ते इद प्रक्रिया त संचालन कियाना आई। इद प्रक्रिया ते दर्ज कीले सपाय जानकारी जो कि संसाधन ते स्वामित्व न हक तह संबंधित आंद, अदेन चारवाही रूप ते प्रकाशित अन प्रसारित कियाना आई।

17.2 स्वामित्व त हक तून दर्ज कियाना प्रक्रिया अन तत्र उपलब्ध मानेय अन वित्तीय संसाधन त अनुरूप कियाना आई। इदाम प्रणाली तून बेड़हाना आई ताकि कोयतोर अन पिसलेर कुंदा त पोगरी अन रूढ़िजन्य स्वामित्व त हक तून व्यवस्थित रुप तह दर्ज कियाना आई। राज तिकेडह एकीकृत नियोजन अन स्थानिक कबिर तंत्र न उपयोग कीसोर, सपाय पारदर्शिता ईर्रसोर स्थानिक नियोजन अन दूसोर उद्देश्य न बाटा प्रभावी सूचना तंत्र उपहाना आई। इद एकीकृत कबिर दर्ज कियाना हूजाड़ ते कोयतोर, राज त चारवाही अन पोगरी उपक्रम आदि तून शामिल कियाना आई। यदि कोयतोर अन दूसोर कुंदा त स्वामित्व त हक तून दर्ज कियाना संभव आयवेक इद परिस्थिति ते दूसोर प्रतिस्पर्धात्मक हक न पंजीयन त निषेध कियाना आई।

17.3 राज तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि भेदभाव केवा लेवा सपाय पक्ष तून आपुना स्वामित्व त हक तून दर्ज कियाना पात्रता अन समे पुटी। अगा संभव आतेक मुयताह, पिसलेर समुदाय अन गरीब निगा एव्सकून ओरा हक तून दर्ज कियाला

पंजीयन सेवा हियाना केन्द्र, चलित केन्द्र पंडाना आई। संगने स्थानीय स्तर ते व्यावसायिक कार्यकर्ता, वकील, नोटरी, सर्वेक्षण कर्त्ता, सामाजिक कार्यकर्ता लोर कून शामिल कीसकून सपाय कबिर चारवाही स्तर ते प्रसारित कियाना आई।

17.4 क्रियान्वयन बाटा जिम्मे बिति निकाय तून स्थानीय परिस्थिति त अनुरूप तकनीक अन पद्धति तून बौंरे कियाना आई ताकि समे अन धन पिसहाना आई। इदेना बाटा स्थानिक निकाय त माध्यम तह स्थानिक आवश्यकता त अनुरूप बूतो न संपादन कियाना आई। स्थानिक निकाय तिकेडह हक न सुदा प्रतिस्पर्धात्मक हक अन अतिव्यापी हक तून चिन्हे मायना आई। इद जानकारी स्थानीय अभिशासन, राज त निकाय न समक्ष उपलब्ध आई ताकि अदेना सेवा ते सुधार आई। इद कबिर तून राष्ट्रीय मानदंड त अनूरूप वर्गीकृत रुप हियाना आई।

17.5 राज तिकेडह इव सपाय कबिर तून चारवाही रुप ते उपलब्ध कियाना आई। कबिर न निजता त दायरा ते भ्रष्टाचार अन अवैध रीति ते रोके कीसकून इदेन सपाय स्तर ते प्रकाशित अन प्रसारित कियाना आई।

## 18. मूल्यांकन

18.1 राज तिकेडह इदाम न पद्धति बेड़सहाना आई कि आपेडे स्वामित्व त हक न मूल्यांकन विशिष्ट उद्देश्य जैसे हाटुम त संचालन, उधार हियाना, निवेश न कारेन ते स्वामित्व न बदलेमायना, कराधन, बहाली आदि न हिसाब ते नियावपूर्ण अन सामयिक रीति ते कियाना आई। इद पद्धति, टिकाऊ विकास न व्यापक उद्देश्य त अनुरूप सामाजिक, आर्थिक अन पुरुड़ परिस्थिति तून बेड़सहाना आई।

18.2 मूल्यांकन न बोयले कानून अन नीति त दायरा ते सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आधात्मिक अन पुरुड़ मूल्य जैसे गैर हाटुम तत्व तून बी आवश्यक रुप ते शामिल कियाना आई।

18.3 राज इदाम न नीति अन कानून न संपादन केवी जो मूल्यांकन न प्रक्रिया ते पारदर्शिता बेड़हसहि। ममाना त संभावित मूल्य अन दूसोर जानकारी बी दर्ज कियाना आई। अदेना माध्यम तह विश्वसनीय मूल्यांकन अन विश्लेषण त आधार पंडाना आई।

18.4 राज तिकेडह मूल्यांकन न बाटा राष्ट्रीय मानक पंडाना आई अन इदेना जानकारी प्रसारित कियाना आई। अदेना व्यापक उपयोग सरकारी, वाणिज्यिक अन दूसोर उद्देश्य ते कियाना आई। इद राष्ट्रीय मानक, प्रासंगिक अन अंतरराष्ट्रीय मानक न

बरोबर आई। इदेना बाटा सपाय बोयलेर कर्मचारी लोरकून मानक अन प्रक्रिया त संबंध ते प्रशिक्षण हियाना आई।

18.5 मूल्यांकन न बोयले सपाय कबिर चारवाही कियाना आई। भ्रष्टाचार रोके कियाना हिसाब ते कंपनी न वित्तीय तंत्र, चारवाही प्रशासन, मुआवजा तंत्र तह बोयले सपाय स्तर ते कबिर उपलब्ध आई अन अदेना अनुपालन सुनिश्चित कियाना आई।

## 19. कर-निर्धारण

19.1 व्यापक सामाजिक, आर्थिक अन पुरुड़ न उद्देश्य बाटा कर–निर्धारण कियाना राज त हक क्षेत्र ते मंता। कर–निर्धारण त प्रक्रिया तह राज, सट्टेबाजी अन जागा त जमाखोरी तून रोके कीसोर निवेश न अनुकूल वातावरण पंडाना आई। संसाधन न स्वामित्व त हक न परिपेक्ष्य ते परिसंपत्ति त पंजीयन अन अदेना ममाना मूल्य न घोषणा बाटा सामाजिक, आर्थिक अन पुरुड़ न दृष्टि ते बेस वातावरण पंडाना आई।

19.2 स्वामित्व त हक ते कर–निर्धारण कियाना बाटा राज तिकेडह आवश्यक नीति, कानून अन संस्थागत ढांचा पंडाना आई। कर संबंधी नीति अन कानून न उपयोग अडिय स्तर ते आधारभूत संरचना त विकास अन सेवा हियाला किया पर्रता।

19.3 राज तिकेडह कर–निर्धारण त प्रक्रिया तून पूर्ण दक्षता अन पारदर्शिता न संगने लागू कियाना आई। इदेना बाटा कर्मचारी लोरकून प्रशिक्षण हियाना आई। कर सगोर दिया उचित मूल्य त निर्धारण ते निर्भर आई। इद संबंध ते मूल्यांकन अन कर त संभावित राशि न जानकारी चारवाही हियाना आई। कर हेवालोर कून अपील न हक हियाना राज त जिम्मे आंद। राज कर–निर्धारण त प्रशासन ते भ्रष्टाचार रोके कियाना सपाय संभावित प्रयास केवी जो पारदर्शिता अन संसाधन न मूल्यपरक मूल्यांकन तह एविह पर्रला आता।

## 20. विनियमित स्थानिक योजना

20.1 राज तिकेडह विनियमित स्थानिक योजना त माध्यम तह दीर्घकालिक क्षेत्रीय विकास न दिशा ते नियोजन, निगरानी अन निर्धारित मानदंड तून उपिहना बाटा प्रशासनिक तंत्र उपिहना आई। इदेना दिशा इद आपुना बाटा दिशा निर्देश न मानदंड त हिसाब जागा, मीन अन बट धन ते स्वामित्व त हक तह सामंजस्य उपहाना त भूमिका त वहन राज तून किया लागर।

20.2 विनियमित स्थानिक योजना बाटा राज तिकेडह लैंगिक रुप तह संवेदनशील कानून

अन नीति न निर्धारण मानेय न भागीदारी अन राय न हिसाब ते कियाना आई। अगा संभव आई रुढ़िजन्य संसाधन त स्वामित्व न प्रक्रिया अन अदेना निर्णय तून क्षेत्रीय विकास अन नियोजन ते प्रमुख रुप तह जागा हियाना आई ताकि कोयतोर अन दूसोर कुंदा त निर्णय प्रक्रिया तून सम्मान हिया आई।

20.3 राज तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि विनियमित स्थानिक योजना ते जागा, मीन अन बट धन त उपयोग अध अदेना अंतर्संबंध तून माने मायना आई। राज तिकेडह चारवाही अन पोगरी हित तून माने मासोर इवेन प्राथमिकता त क्रम ते समाहित कियाना आई अदेना आधार ते नार्र, शहर, वेलियवालोर, खेती अन पुरुड़ लेहका दूसोर–दूसोर उपयोग अनुरूप विनियमित स्थानिक योजना तून अंतिम रुप हियाना आई। स्थानिक योजना त अंतर्गत स्वामित्व न हक, सावधिक अन द्विपक्षीय हक तून समायोजित कियाना आई। स्थानिक नियोजन ते संभावित खतरा त समीक्षा कियाना आई। संगने राष्ट्रीय, क्षेत्रीय अन स्थानीय स्तर ते स्थानिक योजना त नडुम समन्वय पंडाना आई।

20.4 स्थानिक योजना त निर्धारण त प्रक्रिया ते सपाय स्तर ते मानेय न भागीदारी तून बेड़सेह कीसोर नियोजन कियाना आई। इद प्रक्रिया ते कोयतोर अन खाद्यान्न ऊपजेह केवाल कुंदा त हित अन प्राथमिकता तून सर्वोच्च जागा हियाना आई। अगा आवश्यक आयी नियोजन ते इव कुंदा तून पर्याप्त सहयोग एताना आई। क्रियान्वयन केवाल तंत्र तिकेडह इद वेहाना आई कि बदाम आखिरी स्थानिक योजना ते मानेय न भागीदारी तून समायोजन कीले आता। राज तिकेडह इद प्रक्रिया ते भ्रष्टाचार निवारण त दृष्टि तह पर्याप्त सुरक्षात्मक तंत्र तून उपिहाना कियाना आई ताकि स्थानिक नियोजन ते नियामक न माध्यम तह बदलेमायना तून रोके किया आयर। राज तिकेडह क्रियान्वयन बाटा जिम्मे बिति तत्र न निगरानी त परिणाम तून चारवाही कियाना आई।

20.5 जलवायु बदलेमायना अन खाद्यान्न सुरक्षा न चुनौती त समक्ष जागा, मीन अन बट धन त दीर्घकालिक प्रबंधन अन खेती – पुरुड़ परिक्षेत्र आधारित प्रक्रिया त माध्यम तह राज तिकेडह स्थानिक नियोजन न रुपरेखा त निर्धारण अन संचालन सुनिश्चित कियाना आई।

## 21. स्वामित्व त हक ते वहचाड़ न समाधान

21.1 राज न जिम्मा आंद कि संसाधन ते स्वामित्व त हक ते वहचाड़ न परिस्थिति ते सक्षम अन निष्पक्ष न्यायिक अन प्रशासनिक निकाय त उपलब्धता, वहन कियानह

अन प्रभावी माध्यम त रुप ते उपलब्ध केवी। इद प्रक्रिया ते नियाव एवहाना त अन समाधान एवहाना त वैकल्पिक तरीका तून महत्व हियाना आई। बदे बी परिस्थिति ते अपील त हक, न्यायिक अन प्रशासनिक हूजाड़ न अनिवार्य अंग आई। राज तून इद सुनिश्चित कियाना आई कि वहचाड़ त परिस्थिति ते समस्या निवारण तंत्र मुन्ने स्तर ते पुटी, जो क्रियान्वयन बाटा जिम्मे बिति निकाय अन बदे बाहरी निकाय बी आय पर्रता। इद समस्या निवारण निकाय सपाय मुयताह अन मुयतोर न एव्हनहक आई जो अगा ड भाषा, तरीका अन जागा त सापेक्ष सामान्य मानेय न हित न रक्षा आई।

21.2 राज तिकेडह स्वामित्व त हक ते वहचाड़ न परिस्थिति ते विशेष न्यायाधिकरण अन निकाय न गठन कियाना आई। गठन त प्रक्रिया ते न्यायिक विशेषज्ञ न सहयोग तकनीकी जानकार लोर तह एताना आई। राज तून इदाम विशेष न्यायाधिकरण न सहयोग स्थानिक नियोजन, सर्वेक्षण अन मूल्यांकन बाटा बी एताना आई।

21.3 राज तिकेडह न्यायिक समाधान त वैकल्पिक प्रारूप तून वेड़सहाना अन मजगूत कियाना आई। विशेष तौर ते स्थानीय स्तर ते अगा रुढ़िजन्य स्वामित्व त हक अन ओरा व्यवस्थापन त वहचाड़ न स्थिति मंता अगा निष्पक्ष, विश्वसनीय, सपाय न एव्हनहक अन भेदभाव बिना, तत्पर वैधानिक समाधान सुनिश्चित कियाना आई।

21.4 राज तिकेडह क्रियान्वयन न बाटा जिम्मे बिति निकाय न भूमिका त निर्धारण समस्या निवारण बाटा कियाना आई। जैसे सर्वेक्षण बाटा जिम्मे बिति निकाय, हंद तह बोयले वहचाड़ ते समस्या निवारण तंत्र प्रभावी रुप तह बूतो किया पर्रता। सपाय दशा ते नियाव अन समाधान कोट्सकून स्पष्ट कारेन सुदा हियाना आई ताकि न्यायिक प्राधिकरण त मुन्ने अपील त हक मनी।

21.5 राज तिकेडह न्यायिक अन वहचाड़ न निपटारा न तंत्र तून पूर्ण रुप त भ्रष्टाचार तह लेक कियाला बूतो कियाना आई।

21.6 राज त जिम्मे बिना भेदभाव तह पिसलेर अन सीमांत मानेय कून कानूनी हर्र अन कानूनी सहायता सुनिश्चित कियाना आई। न्यायिक अभिकरण तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि ओना कर्मचारी न सेवा हियाना लाव अन तत्परता मनी।

## 22. हंद न वहचाड़ अन मामला

22.1 राज तिकेडह सीमांत क्षेत्र न जागा, मीन अन बट धन त स्वामित्व न हक ते प्रभावित पक्ष न समस्या निवारण तंत्र न उपिहना सुनिश्चित कियाना आई। राज तिकेडह

इद बी सुनिश्चित कियाना आई कि ओना तिकेडह तेहले काल राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय कानून, नीति, प्रस्ताव अन प्रचलित प्रक्रिया न हिसाब ते मंता। रंड राष्ट्र न हंद ते इदाम न वहचाड़ त स्थिति ते राज न भूमिका आपुना अधीन क्षेत्र ते पलायनकर्ता लोर न हित अन ओरा स्वामित्व त हक त संरक्षण आई।

22.2 राज अन दूसोर पक्ष न इद जिम्मा आंद कि अद रंड राष्ट्र त नडुम हंद ते अव वहचाड़ तून सुलझेह कियाला प्रयास केवी जो पिसलेर न स्वामित्व त हक तून प्रभावित कियांता जैसे हंद हेरे न मौसमी चरण तै हुड़िला मीन पोयवालोर कुंदा त हक ओरा जिनगी पानी इव हंद न हेरे मंता।

22.3 राज तिकेडह इद हेनन कानूनी मानदंड तून राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय कानून, नीति, प्रस्ताव अन दायित्व त अनुरूप पंडाना आई। बगा डह संभव आई अगा क्षेत्रीय स्तर ते प्रभावित वर्ग न सुदा वड्क्सकून अंतर्राष्ट्रीय स्तर ते उपलब्ध निकाय त माध्यम तह समाधान त प्रयास आई। प्रभावित पक्ष त हक ते पैराग्राफ 4.8 न तहत राज तून इदाम न काल्क तेहाना आई।

अध्याय 6

# जलवायु परिवर्तन तथा आपदा के प्रति अनुक्रिया

इद पात जलवायु बदले मायना, प्राकृतिक आलहन अन आपड़े पैंसिय ले वहआड़ ते बजागा, मीन अन बर धन त हक न बारेन त आनं

## 23. जलवायु परिवर्तन (पस्ट बदले मायना)

23.1 राज तिकेडह हद सुनिश्चित कियाना आई कि जलवायु बदले मायना त प्रासंगिक रूजू त अनुरूप जलवायु बदलेमावना त संदर्भ ते राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय नाप त अनुसार ते इदाम ना कानून, नीति अन रणनीति निर्धारण कियाना आई, ताना से गरीब मानेय, किसान, हूडिलोर उपजेह के वाल अन इसोर प्रभावित लोर अन प्रभावित आयवालोर त जागा, मीन अन बट धन त हक तून पिसिहना आई।

13.2 राज्य तिकेडह सपाय प्रभावित अन संभावित पक्ष व पोल्लो वड्ससकून औरा (उनकी) भागीरारी सुनिश्चित की सकूम जलवायु बदले मायना व विस्थापित अन प्रभावित आनेय व बाटा बूता संभाजित कियाया आई, ताना से औरा अन औरा संसाधन त रक्षा कियाना सुनिश्चित आई। इद ओर ते राज तिकेडह सुनिश्चित कियाना आई कि विस्थापित त बाटा कीले वैकल्पिक से संसाधन अन प्रस्तावित जिनगी पानी (जीविकोपार्जन) त तंत्र अन मानेय त नहुम वहचाड़ केवही द्य राज तिकेडह हुडिला दीव ते मनवा लोर बाटा विशेष सहायता बूता संसादित कियाना आई।

23.3 संसाधन ते हक त संबंधित सपाय पक्ष जैसे किसान हूडिलोर उपजेह केवाल, गरीब मानेय भागीदारी सुनिश्चित कीस कुन जलवायु बदलेमायना त प्रभाव तून कम अन बदलेह कियाना कार्यक्रम त संपादन राज तिकेडह सुनिश्चित कियाना आई

## 24. प्रोंतिक आपदा

24.1 राज अन राज त सपाय निकाय तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि आलहन तह सुरक्षा हुजाड़ कीतेक जागा, मीन अन बट धन हक तून सुनिश्चित कियाना जिम्मे ऐदाना आई।

24.2 राज तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि औना इदे सम्पादित सपाय बुतो अन निर्णय राष्ट्रीय – अंतर्राष्ट्रीय कानून नीति दायित्व त अनुरूप मनता, अन औरा पालन कियाना आई। इद संबंध ते संयुक्त राष्ट्रसंघ तिकेडह प्रतिपादित विस्थापित अन शरणार्थियों न धन त बहाली अन लोन त सिद्धांत न सुदा आलहन संबंधी मानेय घोषणा त मानत त बोयलेर पक्ष त किट तून पिससना आई।

24.3 राज तिकेडह आलहन निपटेहना अब बोयलेर कार्यक्रम ते अनिवार्य रूप त संसाधन त हक त बारेन त समावेश कियाना पहचे इद कविर न बाटा सपोय बोयतेर पस सुदा बड़क्स कुन इद आपुना बाटा दिशा–निर्देश त मानक अनुरूप जानकारी सहके कियाना आई। इद हुजाड़ इराम तरम आई कि हक पुटले (प्राप्त) समुदाय स्थानिक इंकाई त हिसाब त आपुना संसाधन त हक तून अपिहना पर्रीर (सके) राज तिकेडह वैकल्पिक फेर उदमा त जागा त चिन्हा कियाना आई। अगा प्रभावित मानेय कून अपिहस मंजाल संसाधन त हक ओर कुन कियाना आई।

24.4 राज विशेष आलहन अन संकटकाल ते बी संसाधन ते हक त बारेन ते चतुर मतिर। पुरुड़ आलहन त परिस्थिति ते विस्थापित मानेय न बाटा मंदले जागा, मीन्क अन बर धन बारे इसोर मानेय न हक अन जिया –जिनगी (जीविकोपार्जन त संसाधन ब उन्द मकि। इदेन राज तिकेडह सुनिश्चित कियाना आई। विस्थापित मानेय अन कुंदा त हक तून सम्मान जनक माने मास कुन अदेन सुरक्षित ईराना आई। हक त बारेन ते वैध–अवैध उपयोग त कबिर सवाय कोयतेर पस तून कियाना आई।

24.5 राज अन सपाय कोयलेर पक्ष पंडाना व प्रक्रिया ते स्वामित्व व हक तून हुड़ाना आई। बरबरा विस्थापित मानेय कून सुरक्षित अन सम्मानजनक हुजाड़ ते ओरा पढ़ाना जागा ते भेलाना हुआाड़ कियाना राज त बूटो आनं। अगा स्थानीक इकाई अन जागा त हंद पंडाना बूतो कियाना बेरा इद आपुना बाटा दिशा निर्देश त मानक न हिसाब ते रुजू कियाना आई। अगा पड़ाना जागा ते मेलाना आय पर्रहो ते अगा विस्थापित कुन स्थायी हिसाब ते इसोर जागा उपहाना आई। इपेडे इद पोल्लो त ध्यान ईर्राना आई कि विस्थापित न बसेह कियाना बूतो ते ओरा जागा, मींक अन बट धन त हक अन ओना सुख लागले जिया –जिनगी त बेरा दूसोर कुंदा त सुदा ओना वहचाड़ ब आयमकि, द सुनिश्चित कियाना राज त बूतो आई।

## 25. भूमि मत्स्य तथा जनसंचना के स्वामित्व के अधिकारों के संबंध में विवाद

25.1 राज्य तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि जागा, मींक अन बट धन त हक त बरेन ते वहवाड़ त मुन्ने, वहचना बेरा अन वहवाड़ त परेक राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय कानून अन मानक त हिसाब ते समाधान आई।

25.2 राज तिकेडह इद सुनिश्चित कियाना आई कि ओचा ऐतले निया राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय कानून, नीतियों प्रस्तावों अन निवारण तंत्र त हिसाब ते मंता द्य राज इद संदर्भ ते संयुक्त राष्ट्र संघ और न प्रतिपादित विस्थापित अन शरणार्थियों न धन अन लोन त बहाली त सिद्धांत (पिंडिरो सिद्धांत) त हिसाब लेहका समाधान कियाना आई द्य वहचाड़ त बेरा अन ताना परेक अंतर्राष्ट्रीय मानेय कानून त सम्मान कीसोर राज त भूमिका, प्रभावित पस तून स्वामित्व त हक सुनिश्चित कियाना आई।

25.3 राज अन सपाय बोचलेर पस तून चौयक ले समाधान सुनिश्चित किसाना बाटा मिले आस काल तेहाना आई। राज त जिम्मे आनं कि वहचाड़ अन भेदभाव बेड़सहना त पोल्लो तून माड़हाना ओरा ते नीति अन कानून व निर्धारण कियाना आई। अगा आतेक अगा राज तिकेडह इदाम न रुढ़ीगत अन स्थानीय प्रारूप त माध्यम ते वहचाड़ त नियाव तून बेड़सहना कियाना आई। इद स्पष्ट विश्वसनीय, लैंगिक संवेदनशील, भेदभाव रहित अन वहन कियनाहुका आई। सँग ने जागा, म ींक अन वत धन त वहचाड़ तून सांडे नियान कियानह आई।

25.4 अगा वहचाड़ त बेरा आतेक राज अन बोयलेर पक्ष त दायित्व आनं कि सत अन प्रभावित स्वामित्व त हक त रक्षा केवी बार्फिया दुलोर पक्ष तिकेडह हक तूम उंदाना आयमकि। राष्ट्रीय अन अंतर्राष्ट्रीय मानक अन कानून त हिसाब तह राज त दायित्व आनं कि आपुना हंद ते हिंसा एविहले जागा, मीन अन बट ध ान त स्वामित्व तून माने मायी। शरणार्थी अन दूसोर विस्थापित त पुर्नवास उदाय कियाना आई कि मूल कुँदा त स्वामित्व त हक पिस मनी। स्वामित्व त उदेली आतेक उदेना दस्तावेजीकरण वायना कीसोर समाधान कियाना आई। उदाय न दस्तावेज तून यायना बेरा बाटा पिसिहच कुन ईर्राना आई ताकि उदेना आयोग उंद संदर्भ कागेत लेहका कियाना आई। अग तह संभव आई कागेत ते टोड पीटो तून शामिल कियाना आई शरणार्थियों जन विस्थापित कुन हीले हक तून बी दर्ज कियाना आई। संग ने स्वामित्य त हक अन उदेना प्रमाणित उपयोग त जानकाटी सपाय पस तूम हियाना आई।

25.5 वरचाड़ न बेरा ते खगा तह संभव आई, राज अन बोयलेर पक्ष इदाय स्वामित्व त हक त वरचाड़ त समाधान केवी, जो सपाय पक्ष तून बरोबर आई अन वायना बेरा बाटा बेस आई द्य बगा तो प्रभावित पक्ष न जागा त हक न बहाली संभव आई, अगा अंतर्राष्ट्रीय स्तर ते यू. एन० एच० सी०आर अन्य दूसोर प्रासंगिक निकाय त मानरण्ड त हिसाब ते विस्थापित अन शरणार्थिय मायने कुन सहायता हियानी आई ताकि ओर तोर आपुना मुड़ जागा ते आपुन सुरक्षित मेलिर द्य बहाली अन पुनर्वास व प्रक्रिया, लैंगिक – संवेदनशीलता त भावना कियाना त हिसाब अन भेदभाव रहित आई। इदेना पकाय प्रचार–प्रसार कियाना आई ताकि बहाली ते स्वामित्व त हक त बहाली न सूचना त पारंपरिक स्त्रोत त उपयोग कियाना आई।

25.6 बगा तो बाली संभव आयो आँता अगा विस्थापित अन शरणार्थी लोर न जागा, मींक अन बट घन त स्वामित्व त हक त बहाली बाटा वैकल्पिक जागा ते पुनर्वास कियाना आई, मति इद प्रक्रिया ते मुड़ जागा त कुंदा तह वड़ना अन समझौता त हिसाव ते व्यवस्था कियाना आई। ताकि वहचाड़ आय मनि। बगा तह संभव आंता गरीब अन रांडी मुयतह अन पोरयट न स्वामित्व त हक तून विशेष प्रावधान कियाना आई।

25.7 बगा इद संभव आंता कानून अन नीति तून इदाय लेहका तीसहाना (संशोधन) कियाला आई कि वहचाड़ त मुन्ने आले भेदभाव अन वहचाड़ तू परेक आले भेदभाव त नियाव सुनिश्चित कियाना आई। बगा इद संभव आंता प्रासंगिक निकाय तून फेर से स्थापित कीसोर आवश्यक सेवा अन स्वामित्व त तह न बाटा जवाबदेह राज त संचालन कियाना आई।

अध्याय 7

# प्रोत्साहन, क्रियान्वयन, निगरानी तथा मूल्यांकन

इद पाट संसाधन ते स्वामित्व त हक त प्रोत्साहन, क्रियान्वयन निगरानी अन मूल्यांकन तह संबंधित आंदद्य

26.1 इद आपुना बाटा दिशा निर्देश त क्रियान्वयन, निगरानी मूल्यांकन त जिम्मा राज त आंद द्य

26.2 इद आपुना बाटा दिशा निर्देश त क्रियान्वयन बाटा राज तिकेडह बटु हितग्राही निकाय अन प्रक्रिया तून स्थानीय, क्षेत्रीय अन राष्ट्रीय स्तर ते स्थापित कियाला आई। इद बहु–हितग्राही निकाय त जिम्मा ओरा हक ते मूल्यांकन अन क्रियान्वयन त आयर, ताना हिसाब ते जागा, मीन अन बर घन त स्वामित्व त हक त अभिशासन ते सुधार कियाना आई। दीर्घकालिक विकास अन तिंदाना सुरक्षा अन पंजनाह गाटो त राष्ट्रीय संदर्भ व परिप्रेक्ष्य ते इद महत्वपूर्ण प्रक्रिया आनं द्य इस प्रक्रिया, सपाय समावेशी, भागीदारी अन लैंगिक – संवेदनशीलता त हिसाब ते, क्रियान्वयन योग, उचुय की मोत अन टिकाऊ, आई। राज इद ओड़ ते आपुना जिम्मे एताना बाटा क्षेत्रीय अन अंतर्राष्ट्रीय निकाय न सहायता ऐत पर्रता।

26.3 आपुना बाटा दिशा–निर्देश त माने मायना बाटा राज, दसि–दक्षिण गठबंध, संयुक्त राष्ट्र संघ क्षेत्रीय संगठन अन दूसोर सहयोगी लोर न सहयोग ऐत पर्रता द्य राज तून इदाम न सहयोग तकनीकी संयोजन, वित्तीय सहायता, संस्थागत क्षमता विकास, ज्ञान अन कबिर तून स्थाना, अनुभव तून हियाना, संसाधन त स्वामित्व तह त राष्ट्रीय नीति पंडाना अन तकनीकी हस्तांतरण त क्षेत्र ते किताल पर्रता।

26.4 इद आपुना बाटा दिशा निर्देश त क्रियान्वयन बाटा बुम गाटो सुरक्षा समिति उंद वैश्विक मंच त रूप ते मंता, अगा सपाय बोयलेर निकाय न अनुभव तून वेहला अन क्रियान्वयन ते आत प्रगति त समीक्षा कियाला पर्रता द्य संग ने आपुना बाटा दिशा–निर्देश त प्रासंगिकता, महत्व अन प्रभाव त समीक्षा कियाला आई पर्रता।

इद ओड़ ते बुम खाद्यान्न सुरक्षा न सचिवालय, अन सल्लाहकार समिति न सहयोजन इद आपुना बाटा दिशा निर्देध त कियान्वयन त प्रगति तून वेह पर्रता। अन अदेना हिसाब ते स्वामित्व त हक तून बेड़सह कियाना आयर। इदाय न रिपोर्ट, सार्वभौमिक अन सपाय संभावित पक्ष ते अनुभव वेहना अन सपाय पद्धति अन प्रयोग तह कर्रीयाना त माध्यम हीनता

26.5 सपाय समाजसेवी संगठन निजी निकाय बोयलेर पक्ष तह अपेक्षा कियाना आंता कि इद आपुना दिशा निर्देश त क्रियान्वयन तून राष्ट्रीय संदर्भ अन प्राथमिकता त हिसाब ते बेड़सहना आई। सपाय बोयलेर पक्ष तह इदाय बी आनं कि इद संबंध त कबिर अन जनकारी तून वेहचोर संसाधन त स्वामित्व त हक त अभिशासन तून उन्नतशील पंडिर।

## अधिकारों का अभिशासन

संसाधन त स्वामित्व त अभिशासन त संघर्ष ते इद व्यापक दिशा–निर्देश उन्द वैश्विक कागेट आनं, इदेन सरकार न नउम पोल्लो वड़कना अन समझौता त हिसाब ते पंडाना आई। जागा, मीन अन बट धन त हक, उपयोग अन नियंत्रण त उत्तरदायी अभिशासन त बाटा इद अंतर्राष्ट्रीय मानक त हिसाब तह इद उंद स्वीकृत मार्गदर्शी सिद्धांत आनं। इद नीति, कानून, अन संस्थागत ढांचा तून उन्नत कियाना बाटा दिशा– निर्देश आनं। इद स्वामित्व त हक त कानूनी अन संस्थागत प्रारूप त क्षमता बेड़चिस्ता अन संसाधन त अभिशासन त संबंध ते चारवाही निकाय, निजी प्रतिष्ठान, स्वैच्छिक संगठन अन मानेय न क्षमता अन मजबूती बेड़चिस्ता महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय, दीर्घकालिक आर्थिक अन सामाजिक विकास, पुरुड़ सुरक्षा, गरीबी उन्मूलन अन पोटामेंट गाटो त हक तून सुनिश्चित कियानता।

ISBN 978-92-5-137480-1

9 789251 374801

I2801GON/1/09.24